भारतीय सर्वेक्षण विभाग
SURVEY OF INDIA

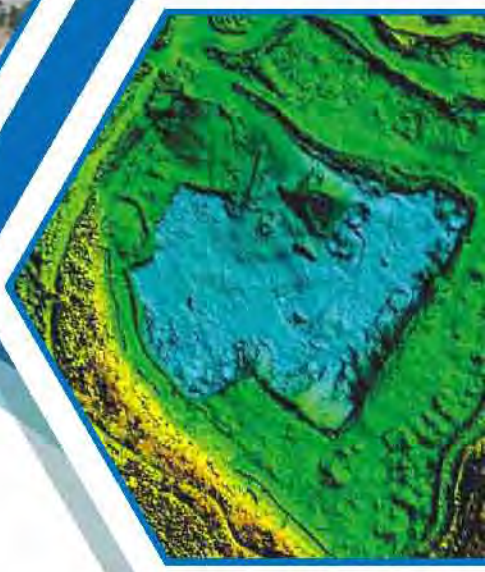

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
(DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY)

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2017 - 2018

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
SURVEY OF INDIA

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
(DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY)

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2017 - 2018

भारत के महासर्वेक्षक के आदेश से प्रकाशित
Published by The Order of the Surveyor General of India

संरक्षक

लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कुमार, वी०एस०एम०
भारत के महासर्वेक्षक

PATRON

Lt General Girish Kumar, VSM
Surveyor General of India

सलाहकार

श्री पंकज मिश्रा
उप महासर्वेक्षक

ADVISOR

Sh. Pankaj Mishra
Deputy Surveyor General

मुख्य संपादक

श्री प्रदीप सिंह
तकनीकी सचिव

EDITOR-IN-CHIEF

Sh. Pardeep Singh
Technical Secretary

डेटा संकलन और तैयारी

श्री विनायक बिष्ट
सर्वेक्षण सहायक

DATA COMPILATION & PREPARATION

Sh. Vinaik Bist
Survey Assistant

भारत के महासर्वेक्षक का संदेश

सन् 1767 में स्थापित भारतीय सर्वेक्षण विभाग भारत सरकार का सबसे प्राचीनतम विभाग है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने ही सर्वप्रथम इन निर्जन भू–भागों का पता लगाया और दूसरे लोगों ने उनका अनुसरण करते हुए इन क्षेत्रों में नवनिर्माण किया। वे घने जंगलों, रेगिस्तान और ऊंचे बर्फीले पर्वतों पर गए तथा वास्तव में वे लोग ही निर्जन और नितान्त विरान क्षेत्रों में सबसे पहले पहुंचे। वहां उन्होंने निरन्तर सावधानीपूर्वक निष्ठा तथा परिश्रम से विकास, रक्षा और प्रशासन के लिए आवश्यक मानचित्रों को बनाने का कार्य किया। स्थालाकृतिक मानचित्रों ने भारत राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य भूमिका निभाई है तथा आधुनिक भारत के लगभग सभी प्रमुख विकासात्मक क्रियाकलापों की नींव रखने में केन्द्र बिन्दु बना रहा है।

प्रायद्वीपीय भारत की स्थलाकृति में विविधता है जिसमें विश्व के सर्वोच्च पर्वतों की हिमाच्छादित हिमालय श्रृंखला से लेकर गंगा के समृद्ध और उपजाऊ मैदान, वृहत् तरंगित क्षेत्र, घने जंगल, मरुस्थल शक्तिशाली नदियां, दलदल और लंबी तटरेखा शामिल है। स्वतंत्र भारत का क्षेत्रफल (3.8 मिलियन वर्ग कि0मी0) अधिकांशतः हिमालय के पार स्थित प्रवासियों के वंशजों द्वारा बसा हुआ है तथा आज यहां पर विभिन्न प्रजातियों, संस्कृतियों, भाषाओं तथा धर्मों का समावेश है।

भारत में सर्वेक्षण का प्रारंभिक इतिहास ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा विजयी क्षेत्रों के विस्तारण के अनुसरण के अनुरुप है। सौभाग्यवश भारत में अधिक से अधिक क्षेत्रों की खोज, उनका विस्तार तथा उनपर विजय प्राप्त करने की खोज ने एक नियमित सरकारी सर्वेक्षण संगठन की स्थापना के लिए प्रेरित किया तथा भारत विश्व में ऐसा करने तथा क्रमबद्ध वैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रारंभ करने वाला प्रारंभिक देश बन गया है।

ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के अग्रदूतों तथा सर्वेक्षकों द्वारा अज्ञात भू–भागों को खोजने का कठिन कार्य किया गया।

भारतीय भू–भाग के छोटे–छोटे भागों के चित्रण का कार्य प्रतिष्ठित सर्वेक्षकों की पंक्ति के सर्वेक्षकों जैसे– कर्नल लैम्बटन और सर जार्ज एवरेस्ट के श्रम साध्य प्रयासों द्वारा पूरा किया गया। देश के वैज्ञानिक सर्वेक्षण तथा मानचित्रण की नींव इन प्रसिद्ध सर्वेक्षकों द्वारा 19वीं शताब्दी में वृहत् त्रिकोणमितीय सर्वेक्षण (जी0टी0एस0) द्वारा रखी गई।

स्वतंत्रता के पश्चात् संपूर्ण देश में विकास की लहर आई जो आज तक कायम है। आर्थिक विकास नियोजन के साथ वैज्ञानिक नियोजन और उसके निष्पादन के लिए कई योजनाओं में सर्वेक्षण डाटा की आवश्यकता होने लगी। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अपनी अधिकतर क्षमताओं को विकासात्मक परियोजनाओं में लगाया जिससे फलस्वरूप स्थलाकृतिक सर्वेक्षण को सामान्य स्थलाकृतिक सर्वेक्षणों को अधिक महत्व न देते हुए अपनी क्षमता को विकासात्मक परियोजनाओं की ओर लगाना होगा। सामान्य स्थलाकृतिक कार्यों की तुलना में भारतीय सर्वेक्षण विभाग को अपनी अधिकांश क्षमता को विकासात्मक परियोजनाओं में लगाना पड़ता था।

ज्योडीय, स्थलाकृतिक के अलावा भारतीय सर्वेक्षण विभाग देश में सभी विकासात्मक परियोजनाओं की सर्वेक्षण आवश्यकताओं को पूरा करता है। विभिन्न केन्द्रीय / राज्य सरकार की एजेंसियों, केन्द्र/राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य संगठनों के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा लघु/मध्यम/ बड़ी परियोजनाओं के लिए निम्नलिखित विभिन्न विकासात्मक सर्वेक्षण और मानचित्रण कार्य किए गए।

विभाग ने अजेय हिमालय, तपते रेगिस्तान, भयानक बिमारियों और जंगली जानवरों से भरे जंगलों में सर्वेक्षण की चुनौतियों का सामना किया है। विभाग ने आधुनिक तकनीकी को भली भांति अपनाकर अंकीय मानचित्रण और भौगोलिक सूचना पद्धति के युग में सफलतापूर्वक पदार्पण किया है।

वर्तमान में भारतीय सर्वेक्षण विभाग को 08 जोनों, 23 भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्रों/क्षेत्रीय निदेशालयों, 06 विशिष्ट निदेशालयों और 29 राज्यों तथा 09 स्वायत्तशासी क्षेत्रों को समाहित करते हुए 01 शिक्षण निदेशालय में संगठित किया गया है। विभाग में कार्मिकों की मानव शक्ति संख्या कुल 4500 से ऊपर है।

प्रत्येक जोन कार्यालय के अधीन कुछ क्षेत्रीय निदेशालय कार्यरत है, प्रत्येक क्षेत्रीय निदेशालय उस राज्य या छोटे राज्यों के ग्रुप की सभी स्थलाकृतिक और विकासात्मक सर्वेक्षण और मानचित्रण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उत्तरदायी है।

ज्योडीय एवं अनुसंधान शाखा, अन्तर्राष्ट्रीय सीमा निदेशालय, भौगोलिक सूचना पद्धति और सुदूर संवेदन निदेशालय, राष्ट्रीय भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, अंकीय मानचित्रण केन्द्र और मानचित्र अभिलेख और प्रसार केन्द्र, विशिष्ट निदेशालय है।

प्रशिक्षण निदेशालय अर्थात भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान (आई०आई०एस०एम०) में फोटोग्रामिति, ज्योडेसी, मानचित्रकला और भौगोलिकसूचना पद्धति में प्रारम्भिक, पुनश्चर्या, विशिष्ट और प्रगत पाठयक्रम चलाए जा रहे हैं ।

राष्ट्रीय मानचित्रण नीति (एन0एम0पी0) 2005 ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग को राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डाटाबेस (एनटीडीबी) तैयार करने तथा मानचित्र की दोहरी सीरीज यथा – डी0एस0एम0 (रक्षा सीरीज मानचित्र) रक्षा सेनाओं की आवश्यकता के लिए तथा ओ0एस0एम0 (ओपन सीरीज मानचित्र) अन्य सभी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराने का कार्य सौंपा है ।

मैं श्री पंकज मिश्रा, उप महासर्वेक्षक (तकनीकी), श्री प्रदीप सिंह, तकनीकी सचिव और श्री विनायक बिष्ट, सर्वेक्षण सहायक जिन्होंने "वार्षिक रिपोर्ट 2017–2018" को तैयार करने के लिए किए गए विषेश प्रयासों की सराहना करता हूँ ।

लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कुमार, वीएसएम
भारत के महासर्वेक्षक।

अनुक्रमणिका

क्रम सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
1.	प्रस्तावना	1
2.	कर्तव्यों का घोषणा पत्र	1
3.	राष्ट्रीय मानचित्रण नीति	2
4.	राष्ट्रीय डाटा शेयरिंग एक्सेसबिलिटी नीति	4
5.	नागरिक घोषणापत्र	4
6.	अन्तरराष्ट्रीय सीमाएं	5
7.	भारतीय सर्वेक्षण विभाग के तकनीकी क्रियाकलाप	9
7.1	विभिन्न पैमानों पर राष्ट्रीय स्थलाकृतिक अंकीय डाटाबेस तैयार करना	9
7.2	विभिन्न पैमानों पर राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डाटाबेस का अद्यतनीकरण	9
7.3	ओ0एस0एम0 हिंदी और ओ0एस0एम0 क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार करना	9
7.4	वैब सेवाएं यथा–डब्ल्यू0एम0एस0 / डब्ल्यू0एफ0एस0 के लिए ओ0एस0एम0 डी0टी0डी0बी0 डाटा उपलब्ध कराना	9
7.5	ज्योडीय एवं भू–भौतिकीय	10
7.6	महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति	10
7.7	विशेष सर्वेक्षण परियोजनाएं	13
7.8	मुद्रण की स्थिति	14
7.9	मानचित्रों और अंकीय डाटा का विक्रय	14
8.	सहयोगात्मक वैज्ञानिक क्रियाकलाप	15
9.	अनुसंधान एवं विकास	16
10.	सम्मेलन / संगोष्ठियां / बैठकें	16
11.	तकनीकी लेख	19
12.	विदेश यात्राएं	19
13.	भारतीय सर्वेक्षण विभाग के कार्यालयों में दौरा / भ्रमण	21
14.	सांस्कृतिक और शैक्षिक क्रियाकलाप	22
15.	सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग	27
16.	संगठन	29
17.	व्यय	29
18.	मानवशक्ति	30
19.	शैक्षणिक और क्षमता निर्माण	31
20.	अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व	34
21.	अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अशक्त व्यक्ति	35
	चार्ट	
	भारतीय सर्वेक्षण विभाग के कार्यालयों की अवस्थिति	36
	1:50,000 पैमाने पर ओपन सीरीज मानचित्रों की स्थिति	
	1:25,000, 1:250,000 स्थलाकृतिक मानचित्रों और 1:1 मिलियन आई.एम.डब्ल्यू. और डब्ल्यू.ए.सी. (आई.सी.ए.ओ.) की स्थिति	

1. परिचय :

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीन भारतीय सर्वेक्षण विभाग राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिये अनेक प्रकार के विभिन्न पैमानों पर सम्पूर्ण भारत के स्थलाकृतिक, भौगोलिक तथा कई अन्य प्रकार के पब्लिक सीरीज मानचित्रों के उत्पादन और अनुरक्षण में कार्यरत है । इसके अतिरिक्त, भारत सरकार के कार्य–संचालन नियम के "वैज्ञानिक सर्वेक्षण" समूह के अधीन होने के कारण विज्ञान और प्रौद्योगिकी की आवश्यकताओं के लिये आधारिक डाटा उपलब्ध कराने के लिये इसे ज्योडीय एवं भू–भौतिकीय सर्वेक्षण, भू–कम्पनीयता एवं भूकम्प विवर्तनिक अध्ययन, पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन, अंटार्कटिका के भारतीय वैज्ञानिक अभियान में सहयोग, हिमनद विज्ञान कार्यक्रमों और अंकीय मानचित्रकला तथा अंकीय फोटोग्रामिति आदि से सम्बन्धित अन्य परियोजनाओं के क्षेत्र में भी व्यापक रूप से अपनी विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए कहा गया है।

2. कर्तव्यों का घोषणा पत्र:

राष्ट्रीय मानचित्रण नीति (एन. एम. पी.) 2005 के अंतर्गत भारतीय सर्वेक्षण विभाग को राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डाटा आधार (एन. टी. डी. बी.) के रख रखाव और उस तक पहुंच की अनुमति देने और उपलब्ध कराने का प्रबंध करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। एन. टी. डी. बी. के अंतर्गत निम्नलिखित डाटा सेट शामिल है:

(ए) राष्ट्रीय स्थानिक संदर्भ फ्रेम :

i. कंटिन्यूअसली ऑपरेटिंग रिफरेन्स स्टेशन्स (सी. ओ. आर. एस.) नेटवर्क।
ii. संपूर्ण देश में 25 –30 कि.मी. पर राष्ट्रीय भू –नियंत्रण बिंदुओं (जी. सी. पी.) लाइब्रेरी।
iii. संपूर्ण देश में 35 –40 कि.मी. पर परिशुद्ध तल चिह्न।
iv. परिशुद्ध नियंत्रण (क्षैतिज तथा उर्ध्वाधर) के लिए ज्योडीय सर्वेक्षण।
v. पड़ोसी देशों के साथ अच्छे सम्बन्धों के उद्दे य से म्यांमार, ईरान, श्रीलंका और ओमान की सल्तनत के पत्तनों सहित हिन्द महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में 44 पत्तनों की ज्वारीय प्रागुक्तियाँ तथा तट रेखा और द्वीपों के साथ–साथ ज्वारीय डाटा का संग्रहण।
vi. संपूर्ण देश में भू–भौतिकीय या गुरूत्व सर्वेक्षण।
vii. संपूर्ण देश में भू–चुंबकीय सर्वेक्षण।

(बी) नेशनल डिजिटल एलिवेशन मॉडल (डी. ई. एम.)

i. देश के ±10 मीटर परिशुद्ध नेशनल डी. ई. एम. प्रयोग के लिए उपलब्ध है।
ii. विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत मैप किए गए क्षेत्रों का ± 3–5 मी० परिशुद्धता के साथ उच्च विभेदन डी. ई. एम.।
iii. देश की विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत मैप किए गए क्षेत्रों का ± 50 से.मी. परिशुद्धता के साथ अत्यंत उच्च विभेदन डी. ई. एम.।

(सी) नेशनल टोपोग्राफिकल टेम्प्लेट :

i. सभी पैमानों पर स्थलाकृतिक मानचित्र तैयार करना।
ii. भौगोलिक मानचित्रों जैसे – रेलवे मानचित्र, सड़क मानचित्र, राजनैतिक मानचित्र, भौतिक मानचित्र आदि का संकलन/मानचित्रण और उत्पादन।
iii. विकास परियोजनाओं जैसे– ऊर्जा और सिंचाई, खनिज अन्वेषण, शहरी और ग्रामीण विकास आदि के लिए सर्वेक्षण।
iv. हवाई पत्तन/भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के एयर फील्ड/नौसेना/तटरक्षक के लिए विशेष प्रयोजन सर्वेक्षण सहित वैमानिक चार्टों को तैयार/अधतन करना।
v. भारतीय वायुसेना के लिए 1:0.5/1/2/10 मिलियन पैमाने तथा फ्लिप बुक ।। पर मानचित्र तैयार करना।
vi. एन डी एम ए (डी ए म ए सी टी –2005 के अनुसार एन डी एम ए योजना 2016) के लिए आपदा न्यूनीकरण मानचित्र और उच्च रिजॉल्यूशन डाटा।
vii. नदी टोपोलाजी की मैपिंग ।
viii. उच्च रिजॉल्यूशन या बड़े पैमाने पर जी.आई.एस डेटा सेट ।

(डी) प्रशासनिक सीमांए :

i. प्राइवेट प्रकाशकों सहित अन्य एजेंसियों द्वारा प्रकाशित मानचित्रों पर अन्तर्राष्ट्रीय सीमा (आई.बी) सर्वेक्षण/सीमांकन/पुनः स्थापन, आई.बी स्ट्रिप मानचित्र तैयार करना, मानचित्रों पर भारत की सही बाह्य सीमाओं का चित्रण, भारत की सही बाह्य सीमाओं/तट रेखा की संवीक्षा और प्रमाणीकरण तथा अन्तर्राष्ट्रीय सीमा मामलों के संबंध में विदेश मंत्रालय को सलाह देना ।

ii. अन्तर्राज्यीय सीमा सर्वेक्षण/सीमांकन/पुनःस्थाापन आई एस. बी स्ट्रिप मानचित्र तैयार करना।

iii. अन्तर्राज्यीय सीमा मामलों में गृह मंत्रालय/माननीय उच्चतम न्यायालय/उच्च न्यायालय अन्य न्यायालयों को सलाह देना।

iv. ग्राम स्तर पर प्रशासनिक सीमा डेटा तैयार करना ।

v. तटीय विनियम क्षेत्र अधिसूचना दिनांक 02 जुलाई, 2018, एम ओ0 ई0 एफ एंड सी.सी. के अनुसार भारतीय तटबन्धों के साथ–साथ हैजर्ड लाइन का सीमांकन ।

(ई) टोपोनॉमी (स्थान नाम):

भारतीय सर्वेक्षण विभाग, भारत सरकार ,गृह मंत्रालय को मानकीकृत भौगोलिक नामों यथा नए अथवा रेलवे स्टेशनों के नाम सहित परिवर्तित स्थानों के नाम उपलब्ध कराने के लिए उत्तरदायी है। ये नाम फील्ड सत्यापित होते हैं ताकि सरकार द्वारा अनुमोदित प्रणाली के अनुसार लिप्यंतरण के साथ वर्तनी में भाषाई ध्वन्यात्मकता सुनिश्चित की जा सकी।

अन्य प्रमुख कार्यकलाप :

i. समाज के सभी वर्गों द्वारा भागीदारी और अन्य साधनों के माध्यम से भू–स्थानिक जानकारी और समझ के उपयोग का संवर्धन और ज्ञान आधारित समाज के लिए कार्य करना भारतीय सर्वेक्षण विभाग की जिम्मेदारी है।

ii. मुद्रित डिजिटल मानचित्रों के अतिरिक्त भू–स्थाानिक सेवाओं, पोर्टल, मोबाइल एप्स इत्यादि के माध्यम से डाटा पहुँच की अनुमति देना।

iii. भारतीय सर्वेक्षण विभाग, केन्द्र और राज्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना।

iv तीसरी दुनिया के देशों जैसे नाइजीरिया, अफगानिस्तान, केन्या, इराक, नेपाल, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, इन्डोनेशिया, भूटान, म्यांमार और मॉरिशस आदि को सर्वेक्षण और मानचित्रकला तथा सर्वेक्षण शिक्षा के विभिन्न विषयों में तकनीकी जानकारी और विशेषज्ञता उपलब्ध कराकर सहायता देना।

उपर्युक्त कार्यकलापों के अतिरिक्त भारत के महासर्वेक्षक निम्नलिखित विशेषज्ञ ग्रुपों समितियों/उच्च स्तरीय फोरम से संबद्ध है :

i. सभी यूनाइटेड नेशन्स ग्रुप, हाई लेवल फोरम, समिति डिविजन, कार्टोग्राफी पर अधिवेशन और सम्मेलन, भू–सूचना प्रबंधन एवं सर्वेक्षण और टोपोनॉमी में भारतीय प्रदर्शन का सदस्य/प्रतिनिधि मंडल के प्रमुख के रूप में।

ii. गृह मंत्रालय, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय और अन्य न्यायालय द्वारा अग्रेषित अन्तर्राज्यीय सीमाओं (आई एस बी) के विवाद संकल्प से संबंधित मामलों का भारत के महासर्वेक्षक द्वारा नेतृत्व करना।

iii. भारत के महासर्वेक्षक द्वारा निम्नलिखित अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बैठकों की अध्यक्षता करना :

- हैड्स ऑफ सर्वे डिपार्टमेंट (एच.ओ.एस.डी) : भारत और म्यांमार
- बाउन्ड्री वर्किंग ग्रुप (बी.डब्यूस..जी) : भारत और नेपाल
- ज्वांइट बाउन्ड्री कान्फ्रेंस (जे.बी.सी) : भारत और बांग्लादेश

3. राष्ट्रीय मानचित्रण नीति – 2005:

प्रस्तावना :

सभी सामाजिक–आर्थिक विकासात्मक कार्यकलापों, प्राकृतिक संसाधनों का सरंक्षण, आपदा से बचाव की तैयारी की योजना और आधारिक संरचना के विकास के लिए उच्च गुणवत्ता के स्थानिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है। अंकीय प्रौद्योगिकियों में हुई प्रगति ने विविध स्थानिक आंकड़ा आधारों का उपयोग एकीकृत रूप में करना अब संभव कर दिया है। सम्पूर्ण देश व स्थलाकृतिक मानचित्र डाटा आधार, जो कि सभी स्थानिक आंकड़ा की नींव हैं, को बनाने, इसके रख–रखाव और प्रसार का उत्तरदायित्व

भारतीय सर्वेक्षण विभाग का है । हाल ही में, भारतीय सर्वेक्षण विभाग को राष्ट्रीय सुरक्षा को जोखिम में डाले बिना उपयोगकर्ता समूह की स्थानिक आंकड़ा तक पहुंच को उदार बनाने के लिए अग्रणी भूमिका सौंपी गई है। इस भूमिका के निर्वहन में मानचित्रों और स्थानिक आंकड़ा के प्रसार की नीति स्पष्ट होनी चाहिए ।

उद्देश्य :

राष्ट्रीय मानकों के अनुरुप भारतीय सर्वेक्षण विभाग के राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डाटा आधार (एन0टी0डी0बी0) का रखरखाव और उस तक पहुंच की अनुमति देना और उपलब्ध कराने का प्रबन्ध करना।

समाज के सभी वर्गों द्वारा भागीदारी और अन्य साधनों के माध्यम से भू–स्थानिक जानकारी और समझ के उपयोग का संवर्धन और ज्ञान आधारित समाज के लिए कार्य करना।

मानचित्रों की दोहरी सीरीज :

यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस नीति की प्रगति में राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्य पूर्णतः अभिरक्षित हैं, यह निर्णय लिया गया है कि मानचित्रों की दो सीरीज होंगी अर्थात्:–

(ए) रक्षा सीरीज मानचित्र (डी0एस0एम0) :

ये विभिन्न पैमानों पर परिशुद्धता को कम किए बिना ऊंचाई, समोच्च रेखाएं और पूर्ण अन्तर्वस्तु सहित स्थलाकृतिक मानचित्र (एवरेस्ट / डब्ल्यू जी0एस0–84 आधार और बहुशंकुक (पोलिकोनिक) / यू0टी0एम0 प्रेक्षप पर) होंगे। ये मानचित्र मुख्यतः रक्षा सेनाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति करेंगे।

सम्पूर्ण देश के लिए मानचित्रों की यह सीरीज (एनालॉग तथा अंकीय रूप में) उपयुक्त रुप से वर्गीकृत किए जाएंगे और इनके उपयोग के संबंध में रक्षा मंत्रालय द्वारा दिशा–निर्देश तैयार किए जाएंगे।

(बी) ओपन सीरीज मानचित्र (ओ0एस0एम0):

ओपन सीरीज मानचित्र मुख्यतः देश में विकास कार्यकलापों में सहायता देने के लिए पूर्णतः भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित किए जाएंगे। ओपन सीरीज मानचित्रों का मानचित्र शीट संख्यांकन अलग होगा और ये डब्ल्यू जी0एस0–84 आधार पर यू0टी0एम0 प्रेक्षप में होंगे । ओपन सीरीज मानचित्रों के प्रत्येक मानचित्र (हार्ड कॉपी और अंकीय रूप दोनों में) रक्षा मंत्रालय से एक बार निर्बाधन (क्लियरेंस) प्राप्त करने के बाद 'अप्रतिबंधित' हो जाएंगे। ओपन सीरीज मानचित्रों की अन्तर्वस्तु अनुबंध 'बी' में दिए गए अनुसार होगी। भारतीय सर्वेक्षण विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि ओपन सीरीज मानचित्रों में कोई असैनिक और सैन्य सुभेद्य (VA's) और सुभेद्य महत्वपूर्ण बिन्दु (VP'S) नहीं दर्शाए गए हैं। भारतीय सर्वेक्षण विभाग समय–समय पर ओपन सीरीज मानचित्रों के सभी पहलुओं के संबंध में जैसे–उपयोगकर्ता ऐजेंसियों द्वारा इन तक पहुंच के लिए प्रक्रिया, इनका आगे प्रसार / उपयोगकर्ता एजेंसियों द्वारा उपयोगिता बढ़ाकर अथवा बिना उपयोगिता बढाए ओपन सीरीज मानचित्रों की हिस्सेदारी और डाटा और अन्य आनुशंगिक मामलों में भारतीय सर्वेक्षण विभाग के व्यवसाय और वाणिज्यिक रुचि का संरक्षण करते हुए उपाय के लिए विस्तृत दिशा–निर्देश जारी करेगा। उपयोगकर्ताओं को हार्डकॉपी और वेब पर जी0आई0एस0 डाटा बेस सहित अथवा इसके बिना मानचित्र प्रकाशित करने की अनुमति होगी। तथापि, यदि मानचित्र पर अंतर्राष्ट्रीय सीमा दर्शाई गई है, तो भारतीय सर्वेक्षण विभाग से प्रमाणीकरण आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त, भारतीय सर्वेक्षण विभाग वर्तमान में शहरी मानचित्र तैयार कर रहा है। ये शहरी मानचित्र बृहत पैमाने पर डब्ल्यू0जी0एस0–84 आधार पर और सार्वजनिक क्षेत्र में होंगे । ऐसे मानचित्रों की अन्तर्वस्तु रक्षा मंत्रालय से परामर्श करके भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा निर्धारित की जाएगी।

राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डाटा आधार (एन0टी0डी0बी0) :

भारतीय सर्वेक्षण विभाग निम्नलिखित डाटा सेटों सहित एनालॉग और अंकीय आकार में राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डाटा आधार (एन0टी0डी0बी0) का सृजन, विकास और रख–रखाव करता रहेगा :–

(ए) राष्ट्रीय स्थानिक संदर्भ ढांचा
(बी) राष्ट्रीय अंकीय उच्चता मॉडल
(सी) राष्ट्रीय स्थलाकृतिक टेम्पलेट
(डी) प्रशासनिक सीमाएं और
(ई) टोपोनिमि (स्थान नाम)

रक्षा सीरीज मानचित्र और ओपन सीरीज मानचित्र एन0टी0डी0बी0 से तैयार किए जाएंगे ।

मानचित्र प्रसार और उपयोग :

भारतीय सर्वेक्षण विभाग ब्रिक्री द्वारा अथवा किसी भी ऐजेंसी के साथ करार द्वारा विशिष्ट अन्तिम उपयोग के लिए 1:1 मिलियन से बड़े पैमाने की ओपन सीरीज के मानचित्रों को ऐनालॉग अथवा अंकीय फार्मेट में प्रसारित कर सकता है। इस कार्रवाई को प्राप्त करने वाली एजेंसी और अन्तिम उपयोग के प्रयोजन आदि के ब्यौरे सहित रजिस्ट्रेशन डाटा बेस में पंजीकृत किया जाएगा।

4. नेशनल डाटा शेयरिंग एक्सेसिबिलिटी पॉलिसी (एन0डी0एस0ए0पी) – 2012 :

प्रस्तावना :

संपत्ति और डाटा की महत्वपूर्ण क्षमता को हर स्तर पर विस्तृत पहचान मिलती है। लोक निवेश द्वारा एकत्रित या तैयार किए गए डाटा की क्षमता को यदि आम जनता के लिए उपलब्ध कराया जाए तथा समय–समय पर उसका रख–रखाव किया जाए तो इसे और अधिक व्यावहारिक बनाया जा सकता है। राष्ट्रीय परिचर्चा, अच्छा निर्णय लेने तथा समाज की जरूरतों को पूरा करने हेतु लोक संसाधनों द्वारा संकलित डाटा को आसानी से उपलब्ध कराने की मांग समाज में बढ़ती जा रही है।

देश में विभिन्न संगठनों/संस्थानों द्वारा लोक निवेश के माध्यम से संकलित डाटा का अधिकांश भाग सिविल सोसाइटी की पहुँच से परे है जबकि इस प्रकार के डाटा का अधिकांश भाग संवेदनशील नहीं है और आम जनता को वैज्ञानिक, आर्थिक तथा विकासात्मक उद्देश्यों हेतु दिया जा सकता है। नेशनल डाटा शेयरिंग एक्सेसिबिलिटी पॉलिसी (एन0डी0एस0ए0पी0) को इस प्रकार तैयार किया गया है ताकि भारत सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा लोक निवेश के माध्यम से उत्पादित साझा करने योग्य असंवेदनशील डाटा को डिजिटल या एनॉलाग रूप में आम जनता को उपलब्ध कराया जा सके। राष्ट्रीय योजना एवं विकास कार्यों के लिए भारत सरकार के स्वामित्व वाले डाटा पर पहुंच बनाने तथा उसे साझा करने की प्रक्रिया को विकसित करने के लिए एन0डी0एस0ए0पी0 पॉलिसी तैयार की गई है।

उद्देश्य :

इस पॉलिसी का उद्देश्य भारत सरकार के स्वामित्व वाले मनुश्य तथा मशीन द्वारा पठनीय साझा करने योग्य डाटा और सूचना को अतिसक्रिय तथा समय–समय पर आद्यातित नेटवर्क के माध्यम से तथा विभिन्न संबंधित पॉलिसियों के अंतर्गत आम जनता की पहुंच को आसान बनाना है। भारत सरकार के नियम और अधिनियम जिनके द्वारा विस्तृत पहुंच और सार्वजनिक डाटा और सूचना के उपयोग की अनुमति मिलती है।

5. नागरिक घोषणापत्रः

भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन भारतीय सर्वेक्षण विभाग एक ऐसा राष्ट्रीय सर्वेक्षण और मानचित्रण संगठन है जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा को जोखिम में डाले बिना उपयोगकर्ता समूह की स्थानिक आंकड़ा तक पहुँच उदार बनाने के लिए अग्रणी भूमिका सौंपी गई है। संपूर्ण देश के स्थलाकृतिक मानचित्र डाटा आधार, जो कि सभी स्थानिक डाटा की नींव हैं, को बनाने, इसके रख–रखाव और प्रसार का उत्तरदायित्व भारतीय सर्वेक्षण विभाग का है। अतः अपनी सेवाओं की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने नागरिक घोषणापत्र प्रतिपादित करने का निर्णय लिया है।

यह घोषणापत्र पब्लिक, सरकारी, निजी संगठनों और अन्य स्टेकहोल्डरों के लाभ के लिए राष्ट्रीय मानचित्रण नीति के प्रतिपादन और कार्यान्वयन में विशिष्टता प्राप्त करने के संबंध में हमारे दृष्टिकोण, मूल्यों और मानकों का घोषणापत्र है । यह नागरिक घोषणापत्र हमारी दक्षता की कसौटी के साथ–साथ एक सक्रिय दस्तावेज होगा । जिसे 5 वर्ष में कम से कम एक बार पुनरीक्षित किया जा सकेगा।

हमारी कार्यनीति :

अपने मिशन को प्राप्त करने के लिए हमारी कार्यनीति में निम्नलिखित कार्य शामिल हैः–

- उत्पाद / डाटा का स्तर निर्धारण।
- सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा देना।
- सेवा उपलब्धता स्तर की अनुरूपता या मापन करना।
- अन्य सरकारी और प्राइवेट एजेंसियों के साथ सहयोगात्मक पहल करना।

हमारे ग्राहक :

सेना/सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा और अनुसंधान नौवहन, पर्यटन, आपदा प्रबंधन, इंजीनियरिंग और उत्पादन, पर्यावरण, खनन, वेधन, विकास, कृषि, मत्स्य जनोपयोगी सेवाओं आदि क्षेत्रों से जुड़े सरकारी और निजी संगठनों के साथ–साथ प्राइवेट व्यक्ति हैं।

हमारी अपेक्षाएं :

हम नागरिकों से अपेक्षा करते हैं कि वे

- भू–स्थानिक डाटा प्रसार संचालित करने वाले नियमों और विनियमों को प्रोत्साहित कर आदर करेंगे।
- अपने कार्यों और विधिक दायित्वों को समय पर पूरा करेंगे।
- सूचना प्रस्तुत करने में ईमानदारी बरतेंगे।
- पूछताछ और सत्यापन में सहयोगी और स्पष्टवादी बनेंगे।
- अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचेंगे।

इससे हमें प्रभावी और कार्यकुशल तरीके से राष्ट्र की सेवा करने में मदद मिलेगी।

हमारी वचनबद्धता :

हम प्रयास करते हैं कि हम–

- अपने देश की सेवा में लगे रहेंगे।
- राष्ट्र की सुरक्षा के लिए कार्य करना सुनिश्चित करेंगे।
- अपनी प्रक्रियाओं और कार्य संपादन को जहां तक संभव हो पारदर्शी बनाएंगे।
- अपने कार्यों को कार्यान्वित करेंगे –
  - सत्यनिष्ठा और विवेकसम्मत से
  - निष्पक्षता और ईमानदारी से
  - शिष्टाचार और समझदारी से
  - वस्तुनिष्ठता और पारदर्शिता से
  - शीघ्रता और दक्षता से

6. अंतराष्ट्रीय सीमांए :

(I) सीमा सर्वेक्षण कार्य :

भारतीय सर्वेक्षण विभाग विदेश मंत्रालय की ओर से सीमा सर्वेक्षण कार्य जैसे–सीमा सत्यापन, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, पाकिस्तान और चीन की अंतरराष्ट्रीय सीमा के सीमा स्तंभों के पुनः स्थापन का कार्य करता है । भारतीय सर्वेक्षण विभाग राज्य सरकार और भारत सरकार को अंतराष्ट्रीय सीमा और राज्य/संघ शासित क्षेत्रों की सीमाओं के मामले में भी सलाह देता है तथा विभागातिरिक्त कार्य के रूप में विवादों के निराकरण के लिए आवश्यकतानुसार सर्वेक्षण कार्य करता है।

अंतराष्ट्रीय सीमा से संबंधित सर्वेक्षण कार्य निम्न प्रकार किए गए :–

- भारत–भूटान सीमा के साथ सीमा स्तंभों का संयुक्त निरीक्षण/रख–रखाव।
- भारत–म्यांमार सीमा के साथ सीमा स्तंभों का संयुक्त निरीक्षण/रख–रखाव।
- भारत–पाक सीमा (पंजाब और राजस्थान सेक्टर) के साथ अविद्यमान स्तंभों का संयुक्त सर्वेक्षण निर्माण/पुनःस्थापन।

पंजाब सेक्टर

मालारेखा (रेखीय कि0मी0)	मालारेखा (स्टेशन)	स्तंभ
86.94	270	71

- भारत–नेपाल सीमा के साथ संयुक्त सर्वेक्षण निर्माण/अविद्यमान स्तंभों का पुनः स्थापन तथा जी0पी0एस0 द्वारा समन्वय।

(ii) संयुक्त सीमा बैठक :

(ए) भारत–म्यांमार सीमा :

- भारत और म्यांमार के बीच 21 और 22 सितम्बर, 2017 के दौरान देहरादून में दूसरी संयुक्त सीमा कार्यकारी ग्रुप (जे0बी0डब्ल्यू0जी0) की बैठक हुई। मेजर जनरल वी0पी0 श्रीवास्तव, भारत के महासर्वेक्षक ने इस प्रतिनिधिमंडल में भारतीय सर्वेक्षण विभाग का प्रतिनिधित्व किया।
- भारत और म्यांमार के बीच 21वीं राष्ट्रीय स्तरीय बैठक (एन0एल0एम0) का अयोजन 06 से 07 जुलाई, 2017 को म्यांमार में किया। इस बैठक में भारतीय सर्वेक्षण विभाग का प्रतिनिधित्व श्री एस0 के0 सिन्हा, निदेशक, अंतरराष्ट्रीय सीमा निदेशालय (म0स0का0), नई दिल्ली ने किया।
- भारत और म्यांमार के बीच निदेशक स्तरीय बैठक का आयोजन 27 से 28 अक्टूबर, 2017 को तमू (म्यांमार) में किया गया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री निर्मलेंदु कुमार, निदेशक, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र शिलांग द्वारा किया गया। म्यांमार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उज़ या ट्वे, निदेशक, सर्वेक्षण विभाग, प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण संरक्षण, म्यांमार सरकार द्वारा किया गया।
- भारत और म्यांमार के बीच 23वीं सेक्टर लेवल बैठक का अयोजन 08 से 09 जनवरी, 2018 को नई दिल्ली में किया गया। इस बैठक में श्री निर्मलेन्दु कुमार, निदेशक, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र शिलांग ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग का प्रतिनिधित्व किया।

भारत म्यांमार सीमा बैठक

(बी) भारत–बांग्लादेश सीमा :

इस अवधि के दौरान कोई बैठक का अयोजन नहीं किया गया।

(सी) भारत–पाकिस्तान सीमा :

- लेफ्टिनेंट कर्नल के0 ए0 ग्रेवाल, अधीक्षक सर्वेक्षक और मेजर सिद्धार्थ शेरवावत, अधीक्षक सर्वेक्षक ने 03 नवम्बर, 2017 को जे0सी0पी0 अटारी (भारत की ओर) में आयोजित भारत–पाक सीमा पर सीमा स्तंभों के पुनर्गठन के सर्वेक्षण कार्य के लिए संयुक्त स्टाफ अधिकारी स्तर की बैठक में भाग लिया।

- भारत–पाक सीमा के साथ टूटे हुए/अविद्यमान/उखडे हुए और बेरिएड सीमा स्तंभों की मरम्मत, पुनः स्थापन के संबंध में 08 से 10 नवम्बर, 2017 को नई दिल्ली (भारत) में महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल और महानिदेशक पाक रेंजर के मध्य महानिदेशक स्तरीय द्वि–वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया।

- श्री चंद्र पाल, निदेशक, और श्री आर0 एम0 घिल्डियाल, अधीक्षक सर्वेक्षक ने 12 से 14 मार्च, 2018 तक सीमा स्तंभ सं0 191/8 और 188/8 पर भारत–पाक सीमा पुनः स्थापन कार्य के लिए संयुक्त निदेशकों के निरीक्षण में भाग लिया।

(डी) भारत–नेपाल सीमा :

- भारत और नेपाल के बीच छठे सर्वेक्षण कार्मिक समिति (एस0ओ0सी0) की बैठक 21 से 23 जून, 2017 के दौरान काठमांडू (नेपाल) में आयोजित की गई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री राजीव श्रीवास्तव, निदेशक, उत्तराखण्ड एवं पश्चिम उत्तर प्रदेश भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र तथा नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री सुरेश मान श्रेष्ठ, स्थलाकृतिक सर्वेक्षण डिवीजन के उप महानिदेशक, नेपाल सरकार के सर्वेक्षण विभाग द्वारा किया गया।
- भारत और नेपाल के बीच चौथी बाउंड्री वर्किंग ग्रुप (बी0डब्ल्यू0सी0) की बैठक 28 से 30 अगस्त, 2017 तक देहरादून में अयोजित की गई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मेजर जनरल बी0पी0 श्रीवास्तव, भारत के महासर्वेक्षक तथा नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री गणेश प्रसाद भट्ट, महानिदेशक, सर्वेक्षण विभाग, नेपाल सरकार द्वारा किया गया।

भारत और नेपाल के बीच सातवीं सर्वेक्षण कार्मिक समिति (एस0ओ0सी0) की बैठक

- 13 से 15 सितम्बर, 2017 तक देहरादून में आयोजित की गई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री आर0 के0 मीना, निदेशक, उत्तराखण्ड और पश्चिम उत्तर प्रदेश भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र द्वारा किया गया जबकि नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री सुरेश मान श्रेष्ठ, स्थलाकृतिक सर्वेक्षण डिवीजन के उप महानिदेशक, नेपाल सरकार के सर्वेक्षण विभाग द्वारा किया गया।

(ई) भारत–भूटान सीमा :

- 5 और 6 अक्टूबर, 2016 को फुनशोलिंग भूटान मे संयुक्त तकनीकी स्तर की बैठक का आयोजन किया गया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री निर्मलेन्दु कुमार, निदेशक, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश, भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, शिलांग द्वारा किया गया। भूटान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री चोकी खोरलो, महानिदेशक अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं, भूटान सर्वेक्षण, भूटान की शाही सरकार द्वारा किया गया।
- 13 से 14 नवंम्बर, 2017 तक थिंम्पू (भूटान) में भारत और भूटान के बीच 12वीं सचिव स्तर की बैठक का अयोजन किया गया । इस बैठक में श्री निर्मलेन्दु कुमार, निदेशक, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, शिलांग ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल के रुप में भाग लिया।

7 भारतीय सर्वेक्षण विभाग में तकनीकी कार्यकलाप :

7.1 विभिन्न पैमानों पर राष्ट्रीय स्थलाकृतिक अंकीय डाटाबेस का उत्पादन :

सम्पूर्ण देश का 1:250K, 50K और देश के कुछ भागों का 1:25K पैमाने पर राष्ट्रीय अंकीय स्थलाकृतिक डाटा बेस कार्य पहले ही पूरा हो चुका है शेष बचे वर्तमान मानचित्रों का 1:25K पैमाने पर हार्ड कॉपी में उपलब्ध अंकीय स्थलाकृतिक डाटा बेस जैसे मुद्रित मानचित्र, पीटी सेक्शन, हवाई सर्वेक्षण सेक्शन, स्क्राइबिंग सेक्शन इत्यादि का उत्पादन कार्य प्रगति पर है।

वर्ष के दौरान 1:25K पैमान पर अंकीयकरण की प्रगति निम्नलिखित है :

अंकीयकरण (शीटें)	ओ.एस.एम.की तैयारी (शीटें)
353	334

7.2 विभिन्न पैमानों पर राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डाटाबेस का अद्यतनीकरण :

भारतीय सर्वेक्षण विभाग देश की राष्ट्रीय मानचित्रण एजेंसी (एन0एम0ए0) है जिसका दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि देश की भू–सम्पत्ति का उचित रूप से सर्वेक्षण और मानचित्रण किया गया है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग देश के भू–स्थानिक आंकड़े की सुरक्षा और विकासात्मक आवश्यकताओं के लिए 1:25K, 50K, 250K पैमान पर स्थलाकृतिक आधार मानचित्र उपलब्ध कराता है।

राष्ट्र के सामाजिक–आर्थिक विकासात्मक कार्यकलाप, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, आपदा से बचाने की तैयारी की योजना, शीघ्र संरचना और विकास कार्यों के लिए उच्च गुणवत्ता के स्थानिक आंकड़ों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग उच्च परिशुद्ध सेटेलाइट इमेजरी (एचआरएसआई) का प्रयोग करते हुए सभी भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्रों द्वारा भूमि पर संशोधन सर्वेक्षण कर पूर्व–क्षेत्र अद्यतन सहित आधुनिक ओ.एम.एम. और डी.एस.एम. डाटासेट्स (डीटीडीबी और डीसीडीबी) तैयार करने का कार्य करता है।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने 1:250K, 1:50K और 1:25K पैमाने के निम्नलिखित स्थलाकृतिक डाटा के अद्यतन का कार्य पूरा कर लिया है।

1:250K पैमाना

1:50K घटकों के प्रयोग द्वारा अद्यतनीकरण (शीटें)	डी0टी0डी0बी0 (शीटें)	डी0टी0डी0बी0 (शीटें)
13	13	13

1:50K पैमाना

प्री–फील्ड अद्यतन (शीटें)	पुनरीक्षण सर्वेक्षण (शीटें)
15	16

1:25K पैमाना

प्री–फील्ड अद्यतन (शीटें)	पुनरीक्षण सर्वेक्षण (शीटें)	पोस्ट–फील्ड अद्यतनिकरण (शीटें)
97	39	39

7.3 ओ.एस.एम. हिंदी और ओ.एस.एम. क्षेत्रीय भाषा में रूपान्तर :

भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने 1:50,000 पैमाने पर ओपन सीरीज मानचित्रों (ओ.एस.एम.) के अंग्रेजी रूपान्तर का कार्य पूरा कर लिया है और उपयोगकर्ताओं के प्रयोग के लिए उपलब्ध करा दिए हैं। ओ.एस.एम. हिंदी और क्षेत्रीय भाषा रूपान्तर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ओ.एस.एम. हिंदी और ओ.एस.एम. (क्षेत्रीय भाषा) में तैयार करने का कार्य निम्नवत् किया जा रहा है :–

ओ.एस.एम. हिंदी (शीटें) मुद्रित	ओ.एस.एम. क्षेत्रीय भाषा (शीटें)
23	

7.4 राज्य / गाइड मानचित्र :

राज्य मानचित्र	गाइड मानचित्र	अन्य मानचित्र
आंध्र प्रदेश द्वितीय संस्करण	तिरुमला तिरूपति भावनगर	भारत का राजनैतिक मानचित्र अंग्रेजी सातवां संस्करण तथा हिंदी पांचवा संस्करण
कर्नाटक (हिंदी और कन्नड़)	चंडीगढ अंबाला	भारत का रेलवे मानचित्र अंग्रेजी 28वां संस्करण तथा हिंदी 25वां संस्करण

7.5 ज्योडीय और भू–भौतिकीय :

(i) ज्योडीय नियंत्रण :

विभाग द्वारा विभिन्न संरचनाओं के संरेखण को नियत करने, बांध विरूपण अध्ययन, भूपर्पटी संचलन अध्ययन तथा राष्ट्रीय विरासत के स्मारकों आदि के स्थायित्व के अनुवीक्षण के लिए क्षैतिज तथा उर्ध्वाधर नियंत्रण उपलब्ध कराने हेतु निम्नलिखित कार्य किए गए :–

- जी॰पी॰एस॰ लाइब्रेरी के लिए जी॰पी॰एस॰ प्रेक्षण – कार्य पूरा किया गया
- परियोजना सर्वेक्षण के लिए परिशुद्ध तलेक्षण – 326.68 रेखीय कि॰मी॰
- परियोजना सर्वेक्षण के लिए ई॰डी॰एम॰ दूरी – 3.378 रेखीय कि॰मी॰
- परियोजनाओं के लिए कोणीय प्रेक्षण – 159 स्टेशन
- परियोजना सर्वेक्षणों के लिए बेसों की संख्या – 8 बेस
- परियोजना सर्वेक्षणों के लिए जी0पी0एस0 प्रेक्षण – 85 स्टेशन
- गुरुत्व प्रेशण – 1225 स्टेशन

(ii) गुरूत्व :

जियोड मॉडल के लिए चंडीगढ और उसके आस पास के 59 स्टेशनों तथा उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखण्ड में राष्ट्रीय जलविज्ञान परियोजना (एन0एच0पी0) के लिए 10 कि0मी0 X 10 कि0मी0 मेश पर 1166 स्टेशन का अवलोकन किया गया।

(III) भू–चुंबकीय :

भू–चुंबकीय वेधशाला सभावाला – तीन भू–चुंबकीय घटकों यथा – क्षैतिज बल (एच॰एफ॰), ऊर्ध्वाधर बल (वी॰एफ॰), दिक्पात (डी) के रुपांतरण के लिए आस्कनिया और डी0ई0एम0 वेरियोमीटर द्वारा पूरे वर्ष स्वचालित रिकार्डिंग की गई। वेरियोग्राफों डाटा के आधार रेखा मान के नियंत्रण के लिए DIM और ENVI-Mag से परिशुद्ध मापन किया गया तथा अन्य सरकारी विभागों को भी वैज्ञानिक अध्ययनों के लिए डाटा उपलब्ध करवाया गया।

(Iv) ज्वारीय क्रियाकलाप :

भारतीय सर्वेक्षण विभाग भारतीय तट और द्वीप समूहों के साथ स्थापित ज्वारीय वेधशालाओं की सीरीज का रखरखाव करता है। ज्वारीय प्रागुक्तियों के लिए नियमित आधार पर ज्वारीय प्रेक्षण किए जाते हैं। ज्वारीय वेधशालाओं में स्थापित ज्वारभाटा गेजों से उत्पन्न ज्वारीय डाटा गुणवत्ता नियंत्रित है तथा इसका प्रयोग हार्मोनिक घटकों के उन्नयन के लिए किया जाता है। ये आंकड़े ज्वारीय प्रागुक्तियों के लिए प्रयोग किए जाते हैं।

जो भारतीय ज्वारीय सारणी भारतीय तट और द्वीपों के साथ आधुनिकीकरण और ज्वार भाटा गेज नेटवर्क के विस्तार का कार्य जारी है। भारत के समुद्र तट और कुल अपतट द्वीपों जैसे पोर्टब्लेयर नानकोवरी, कैम्पबैल बे, एरियल बे, हल्दिया, गार्डन रीच और मुम्बई, मरमेगाओ, कोचीन, न्यू मैंगलोर, कारवार, कांडला, वाडीनार, ओखा, चैन्नें, नागपट्टिनम, कुड्डालोर, कवारती एवं मिनिकोय के साथ स्थित विभिन्न ज्वारीय वेधशालाओं से संस्थापन, ज्वारभाटा गेजों और डाटा अर्जन का रख रखाव।

सुनामी आने के किसी संकेत अथवा भूविवर्तनिक और भूपर्पटी संचलन से संबंधित किसी आसन्न आपदा का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय ज्वारीय डाटा केन्द्र/राष्ट्रीय जीपीएस डाटा केन्द्र पर विभाग के वीसेट नेटवर्क द्वारा रियल टाइम में प्राप्त ज्वारीय और जीपीएस डाटा को संसाधित किया जाता है।

7.6 भारतीय सर्वेक्षण विभाग की प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति :

(i) हैजर्ड लाइन का मानचित्रण और निरूपण :

बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और त्वरित विकासात्मक क्रियाकलापों के कारण हाल के वर्षों में तटीय पर्यावरण को अति महत्व दिया जा रहा है। पर्यावरण और वन मंत्रालय (एफओईएफ) ने "इंटीग्रेटेड कोस्टल जोन मैनेजमेंट" (आईसीजेडएम) नामक परियोजना" आरम्भ की है। परियोजना से भारत की आर्थिक संरचना जैसे समुद्रतटीय सुविधाएं,

पेट्रोलियम उद्योग, रिन्यूएबल ऊर्जा संसाधन, आयात आधारित उद्योग तथा तटरेखा के साथ स्थित समुदाय तथा उनकी संपत्ति की सुरक्षा में वृद्धि होगी। भारतीय सर्वेक्षण विभाग को तटरेखा से 7 किमी0 विस्तार तक मुख्य भूमि की ओर भारत के सम्पूर्ण तट की भूमि के लिए हैजर्ड लाइन की रुपरेखा बनाकर 1:10,000 पैमाने पर आधार मानचित्र के रूप में 0.5 मीटर ऊँचाई समोच्च रेखा मानचित्र बनाने का कार्य कर रहा है।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आठ भू–स्था0 आं0 केन्द्र (गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिसा और पश्चिम बंगाल) के विभिन्न आईसीजेडएम कार्यकलापों जैसे फील्ड नियंत्रण, गुणता नियंत्रण, डाटा हैंडलिंग आदि कार्य कर रहे है।

नियंत्रण कार्य

जीपीएस प्रेक्षण	तलेक्षण	क्यू ए/क्यूसी	हवाई फोटोग्राफी	32 दिवसीय ज्वारीय प्रेक्षण
पूरा हो चुका है	पूरा हो चुका है	पूरा हो चुका है	पूरा हो चुका है	पूरा हो चुका है

क्षेत्रों अर्थात् (1,2,3 और 4) के लिए लक्षण निष्कर्षण का कार्य पूरा हो चुका है शेष 5,6, और 7 का कार्य विभिन्न चरणों में हैं ।

(ii) कोयला खदान परियोजना :

अंकीय फोटोग्राममितीय तकनीक पर आधारित जीआईएस अंकीय प्रारूप में उच्च परिशुद्ध हवाई फोटोग्राफी और उचित भू–सत्यापन का प्रयोग करते हुए 2 मीटर मैदानी क्षेत्र में और 3–5 मीटर पहाड़ी क्षेत्र के मामले में समोच्च अन्तराल सहित 1:5000 पैमाने पर मुख्य भारतीय कोयला क्षेत्रों (27 कोयला क्षेत्रों/5246 शीटें) के अद्यतन स्थलाकृतिक मानचित्र तैयार किए गए है।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा इस परियोजना में निम्नलिखित चरणों में कार्य किए गए।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग के 7 भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्रों के द्वारा विभिन्न चरणों में लगातार कार्य किए जा रहे है।

- छत्तीसगढ़ भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र
- झारखण्ड भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र
- मध्य प्रदेश भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र
- महाराष्ट्र एवं गोवा भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र
- मेघालय और अरुणाचलप्रदेश भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र
- ओडिसा भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र
- पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र

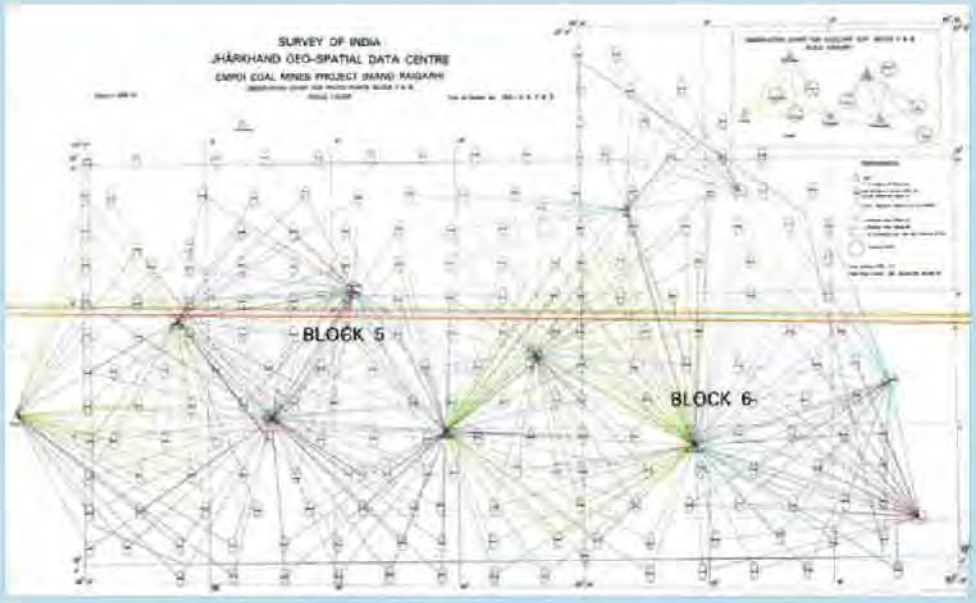

छत्तीसगढ़, ओडिसा, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, महाराष्ट्र एवं गोवा, पश्चिम बंगाल और मेघालय एवं अरुणाचल प्रदेश भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र और कार्य का कुछ भाग जैसे 2डी और 3डी लक्षण निष्कर्षण अन्य दूसरे भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्रों को वितरित किया गया ताकि परियोजना कार्य शीघ्रता से पूरा किया जा सके।

कार्य की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है :

प्राथमिक नियंत्रण :

12 घंटे जीपीएस प्रेक्षण (बिंदु)	डीटी तलेक्षण (रेखीय किमी0)
पूरा हो चुका है।	पूरा हो चुका है।

ब्लॉक नियंत्रण बिन्दु :

2 घंटे जीपीएस प्रेक्षण (बिंदु)	डीटी तलेक्षण (रेखीय किमी0)
पूरा हो चुका है।	पूरा हो चुका है।

विस्तृत सर्वेक्षण :

2डी लक्षण निष्कर्षण (शीटें)	3डी लक्षण निष्कर्षण (शीटें)	भू–सत्यापन (शीटें)	पोस्ट फील्ड अद्यतनीकरण (शीटें)
3832	3356	1840	1013

(III)उत्तराखण्ड (एमएएनयू) परियोजना में निकटवर्ती मानचित्र :

भारतीय सर्वेक्षण विभाग एमएनयू परियोजना में शामिल अन्य एजेंसियों द्वारा बृहत एवं सूक्ष्म (मैक्रो और माइक्रो) स्तर योजना और आपदा के पश्चात वैज्ञानिक एप्लीकेशन के लिए उत्तराखण्ड के 8,000 वर्ग किमी0 फैले आपदा प्रभावित क्षेत्र का 1:10 के पैमाने पर डिजीटल एलीवेशन मॉडल (डीईएम) और मानचित्र तैयार कर रहा है।

"चार धाम और पिंडर घाटी" के आपदा प्रभावित क्षेत्रों की एयर बोर्न लिडार और अंकीय हवाई फोटोग्राफी की आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए क्षेत्र का अंशतः डाटा अर्जन कार्य पहले ही पूरा हो चुका है और गुणता नियंत्रण और सुपुर्दगी करने की प्रक्रिया के निम्नलिखित कार्य पूरे हो चुके है।

- कार्य पूरा हो चुका है अपरिश्कृत (कच्चा) डाटा की स्वीकृति दी गई है।
- डीईएम के लिए अन्तिम स्वीकृति परीक्षा का कार्य प्रगति पर है।
- मानचित्र लक्षण के लिए अन्तिम स्वीकृति परीक्षा का कार्य प्रगति पर है।

(Iv)राष्ट्रीय जल–विज्ञान परियोजना (एनएचपी) :

भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने विभिन्न प्रकार के भू–स्थानिक डाटासेटों को चलाने, तैयार करने और उपलब्ध कराने के अर्थात् रिवर बेसिन क्षेत्रों (प्लेन) के लिए 0.5मी0, 5 मी0 और 10 मी0, नदी के दोनों तरफ 5 किमी0 तक और 1:25ज्ञ के पैमाने पर एस ओ आई टोपोशीट का जी आई एस तैयार डाटा का डिजिटल एलीवेशन मॉडल (डी ई एम) मानचित्र तैयार करने के लिए लिए राष्ट्रीय जल–विज्ञान परियोजना की स्कीम में एक सेंट्रल इम्प्लीमेंटेशन एजेंसी के रूप में पहचान बनाई है।

परियोजना में निम्नलिखित कार्य शामिल है।

- फ्लड मॉडलिंग के लिए 3–5 मी0 और 0.5 मी0 की ऊर्ध्वाधर परिशुद्धता का डी0ई0एम0
- 1:25 के पैमाने का अंकीय जियो–डाटाबेस
- 10 सेमी0 परिशुद्धता के जियोडल मॉडल का सृजन
- सीओआरएस नेटवर्क की स्थापना

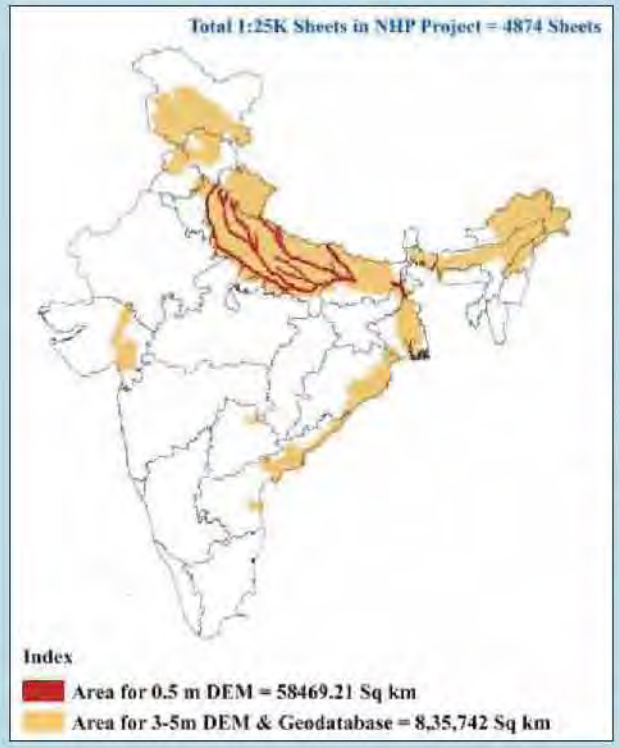

(v) भारतीय वायुसेना के लिए विशेष सर्वेक्षण :

भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने भारतीय वायुसेना के लिए आईएएफ–ओजीएम, आईएएफ, पीजीएम, आईएएफ–जेजीएम, लैंडिंग एप्रोच चार्ट (एलएसी), आईएएफ–एलएनसी आदि भी तैयार किया हैं और बाधा सूचक सर्वेक्षण कार्य किया है।

वर्ष के दौरान भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने भारतीय वायु सेना के लिए निम्नलिखित मानचित्र और डाटा कार्य पूर्ण किया है।

आईएएफ–ओजीएम (शीटें)	आईएएफ–पीजीएम (शीटें)	आईएएफ–जेजीएम (शीटें)	आईएएफ–एलएनसी (शीटें)	लैंडिग एप्रोच चार्ट (चार्ट)
16	32	1	8	2

50 हवाई क्षेत्रों के लिए 1:50 के पैमाने पर भारतीय वायुसेना के लिए एआरपी से 30 एनएम के बाधासूचक सर्वेक्षण (ऑबस्ट्रक्शन सर्वे) सहित लैंडिग चार्टों का सत्यापन।

7.7 अन्य विशेष सर्वेक्षण परियोजनाएं :

वर्ष 2017–2018 के दौरान निम्नलिखित परियोजनाओं पर सर्वेक्षण कार्य जारी रहा / किया गया :

विशेष सर्वेक्षण परियोजनाएं

क्रम सं.	भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र का नाम	विशेष सर्वेक्षण का नाम
1.	आंध्र प्रदेश	बरगेमपेड सिंचाई परियोजना
	–तदैव–	तेलंगाना राज्य का प्रशासनिक सीमा डेटा बेस तैयार करना
2.	हिमाचल प्रदेश	धर्मशाला जल विद्युत परियोजना
	–तदैव–	प्रान शाह जल विद्युत परियोजना
	–तदैव–	लहरी जल विद्युत परियोजना स्टेज–। और ।।
	–तदैव–	सन्नी बांध परियोजना
3.	कर्नाटक	डीआरडीओ चित्रदुर्गा कैम्पस सर्वेक्षण परियोजना
	–तदैव–	प्रसार भारती दूरदर्शन केन्द्र, बेंगलूरु !
4.	पंजाब हरियाणा और चण्डीगढ़	हरियाणा उ0प्र0 सीमांकन सर्वेक्षण
5.	पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम	भारत–भूटान बाढ़ प्रबंधन परियोजना
6.	ज्योडीय एवं अनुसंधान भाखा	खोलोंगचू जलविद्युत परियोजना, भूटान
	–तदैव–	बीईएल, एसबीसी, एचएएल, एलईओएस,आईएसआरओ के लिए परियोजनाएं

7.8 मुद्रण की स्थिति

रिपोर्टाधीन अवधि में निम्नलिखित मानचित्र/विशेष उत्पाद मुद्रित किए गए :

मानचित्रों के मुद्रण की स्थिति

क्रम सं.	जॉब का नाम	मानचित्रों की संख्या
1.	ओएसएम (नया संस्करण, हिंदी, पुनरमुद्रित)	120
2.	डीएसएम मानचित्र	352
3.	आईएएफ (पीजीएम, ओजीएम, ओएलएम एलएसी एलएनसी फ्लिप चार्ट आदि)	40
4.	राज्य, गाइड, भौगोलिक, रेलवे एवं टूरिस्ट मानचित्र आदि	04

मुद्रण अनुभाग, भारतीय सर्वेक्षण विभाग (पूर्वी मुद्रण वर्ग, कोलकाता)

प्रकाशन का नाम	स्थिति
हुगली नदी ज्वार–भाटा सारणी, 2018	प्रकाशित।
भारतीय ज्वार भाटा सारणी, 2018	प्रकाशित।
समावाला वेधशाला का वार्षिक चुम्बकीय बुलेटिन,	2016 कार्य प्रगति पर है।
चुम्बकीय दिक्पात कालावधि चार्ट 2020.0	कार्य प्रगति पर है।

7.9 मानचित्रों और अंकीय डाटा का विक्रय :

मानचित्रों के मूल्य का विवरण (रुपये में)

क्रम सं0	संगठन का नाम	मानचित्रों का मूल्य (रुपये में)
1.	डिफेन्स	308.0
2.	भारतीय सर्वेक्षण विभाग	730550.0
3.	केन्द्र सरकार के कार्यालय	3611750.0
4.	राज्य सरकार के कार्यालय	198406.0
5.	अन्य उपयोगकर्ता	569958.0
	योग	5110972.0

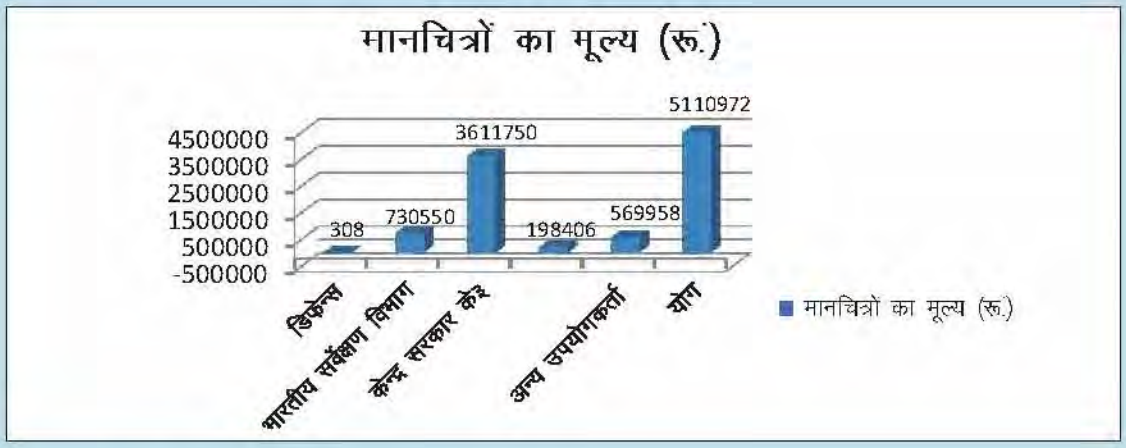

अंकीय डाटा के मूल्य का विवरण (रुपये में)

क्रम सं0	संगठन का नाम	अंकीय डाटा का मूल्य (₹ में)
1.	डिफेन्स	0
2.	केन्द्र सरकार के कार्यालय	8171550.0
3.	राज्य सरकार के कार्यालय	6033000.0
4.	अन्य उपयोगकर्ता	2056950.0
	योग	16261500.0

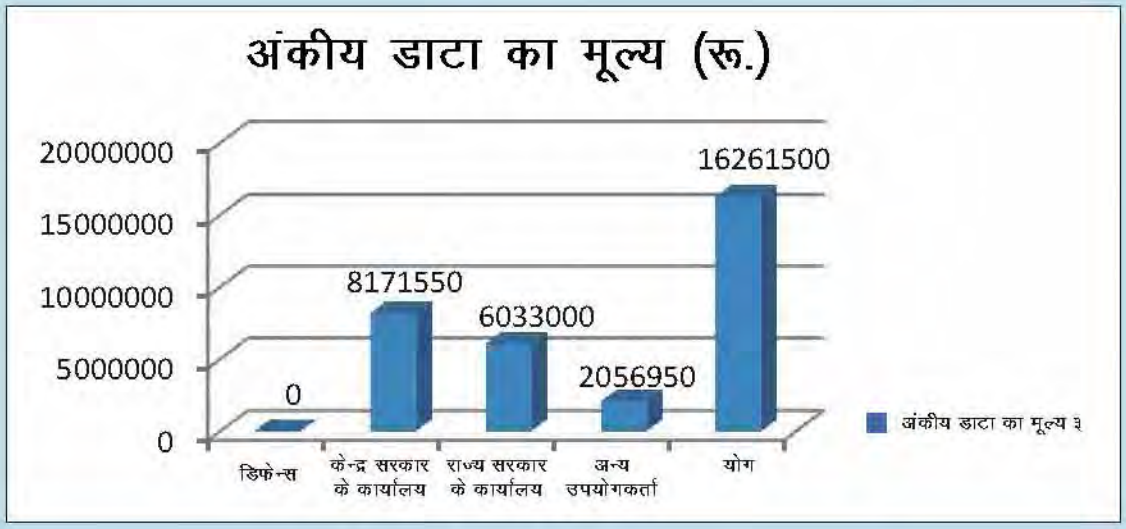

8. सहयोगात्मक वैज्ञानिक क्रियाकलाप :

ज्योडेसी और भू–भौतिकी के क्षेत्र में निम्नलिखित सहयोगात्मक वैज्ञानिक क्रियाकलाप जारी रहे :

(i) वर्ष 2016 के लिए सभावाला चुम्बकीय वेधशाला का आईआईजी, मुम्बई को नियमित रुप से वार्षिक चुंबकीय बुलेटिन डाटा की आपूर्ति की गई और आवश्यकता पड़ने पर विश्व डाटा केन्द्र को भी इसकी आपूर्ति की गई।

(ii) अंतर्राष्ट्रीय ज्योडीय समुदाय द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों के लिए इंटरनेशनल परमानेंट सर्विस फार मीन सी लेवल (आईपीएसएमएसएल) यूनाइटेड किंगडम को 18 भारतीय पत्तनों के माध्य समुद्र–तल डाटा की आपूर्ति।

(iii) उत्तरी भारत (चण्डीगढ–मोहाली) प्रथम और द्वितीय एपोच में आई आई आर एस के साथ भू अवतलन पर सहयोगात्मक परियोजना से संबंधित परिशुद्ध तलेक्षण किया गया।

(iv) आई आई आर एस, देहरादून के साथ संयुक्त रुप से "मैपिंग, मॉडलिंग एंड इम्पेक्ट असेसमेंट आन लैंड सब्सिडेंस इन नोर्दन इंडिया" पर आर एंड डी परियोजना।

9. अनुसंधान एवं विकास :

रिपोर्टाधीन अवधि में ज्योडीय एवं अनुसंधान शाखा के अनुसंधान और विकासात्मक क्रियाकलापों में निम्नलिखित की ओर मुख्य रुप से ध्यान दिया गया :–

(i) **अंटार्कटिका के लिए 37वां भारतीय वैज्ञानिक अभियान :**

(मैत्री शिरमाचर मरुउद्यान) अभियान के लिए दो सदस्यों का दल भेजा गया और 0.84 वर्ग किमी0 का कार्य पूरा हो चुका है। शिरमाचर मरुउद्यान, अंटार्कटिका के 24 नियंत्रण बिन्दुओं को पूर्व चयनित क्षेत्र के लिए 5 मी0 समोच्च रेखा अंतराल के साथ 1:10,000 पैमाने पर विस्तृत सर्वेक्षण कार्य के लिए प्रेक्षित किए गए। भारतीय प्लेट के संबंध में अंटार्कटिका प्लेट के इंटर कान्टिनेंटल प्लेट संचलन अध्ययन के लिए दो सप्ताह का जीएनएसएस प्रेक्षण कार्य पूरा हो चुका है।

(ii) भूपर्पटी विरुपण और विवर्तनिक संचलन अध्ययनों के लिए अंटार्कटिका का सुनामी से पहले और उसके बाद के जीपीएस डाटा का संसाधन/विश्लेशण ।

(iii) स्थायी जीपीएस स्टेशनों से प्राप्त डाटा का बैकअप और आर्किवल।

(iv) इंटरनेट द्वारा वेबसाइट से आईजीएस स्टेशनों के परिशुद्ध पंचांग को डाउनलोड करना।

(v) भारत में द्वितीय लेवल नेट का समायोजन (डाटा संकलन)।

(vi) वर्ष 2013 और 2014 के लिए डाटा संसाधन/विश्लेशण और ज्वारीय प्रागुक्तियां।

(vii) उपर्युक्त कार्यक्रमों के परिणामस्वरुप निम्नलिखित क्रियाकलाप प्रारंभ/पूर्ण किये गये।

(viii) एवरेस्ट गोलाभ और डब्ल्यूजीएस–84 के बीच ट्रांसफार्मेशन पैरामीटर प्राप्त करने के लिए स्थिर सापेक्ष मोड में ग्लोबल पोजिशिनिंग सिस्टम द्वारा डाटा अर्जन।

(ix) अन्तर्राष्ट्रीय ज्योडायनामिक्स परियोजनाओं के लिए ज्योडीय और भू–भौतिकीय अध्ययनों के अतिरिक्त भ्रंश/क्षेप जोन के आर–पार समान रुप से भू–पर्पटी संचलन अध्ययनों के लिए अर्जित गुरुत्व डाटा की पुनर्संरचना की जा रही है और फार्मेट बनाया जा रहा है जिससे कि (पुनः डिजाइन किए गए गणितीय मॉडल की) आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके।

(x) समुद्र तल अध्ययन, हिमनद विज्ञान, भूकम्प प्रागुक्ति आदि में अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम।

10. सम्मेलन/सेमिनार/बैठकें :

(i) श्री डी0एन0 पाठक, निदेशक, डी0एस0ए0 एंड डी0जी0डी0सी0 ने दिनांक 25.04.2017 को सेवा भवन, आर0 के0 पुरम, नई दिल्ली में बेसिन वाइज रिएसेसमेंट आफ हाइड्रोइलैक्ट्रिक पोटेंशियल इन द कन्ट्री के संबंध में मॉनीटरिंग कमेटी की बैठक में भाग लिया।

(ii) डॉ0 स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक ने दिनांक 26.05.2017 से 27.05.2017 तक आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम में कोलेरु लेक प्रोजेक्ट की सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

(iii) डॉ0 एस0 के0 सिंह, निदेशक, जी0 एंड आर0 बी0 ने दिनांक 18.07.2017 को डी0एस0टी0, नई दिल्ली में **"एक्सपर्ट कमेटी फॉर दि डवलपमेंट ऑफ नेशनल प्रोग्राम आन जिओडेसी"** की पहली बैठक में भाग लिया।

(iv) डॉ0 एस0 के0 सिंह, निदेशक, जी0 एंड आर0 बी0 ने दिनांक 17.08.2017 को सेंट्रल वाटर कमीशन, नई दिल्ली में **"एक्सपर्ट कमेटी फॉर द डवलपमेंट एडवाइजरी कमेटी"** (सीपीडीएसी) की 15वीं बैठक में भाग लिया।

(v) लेफ्टिनेंट कर्नल के0 ए0 ग्रेवाल, अधीक्षक सर्वेक्षक और मेजर सिद्धार्थ भोखावत, अधीक्षक सर्वेक्षक ने दिनांक 29.08.2017 से 30.08.2017 तक इसरो, जोधपुर में **"सरस्वती पेलेयों चैनलस"** पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए जोधपुर का दौरा किया।

(vi) डॉ0 एस0 के0 सिंह, निदेशक, जी0 एंड आर0 बी0 ने दिनांक 09.10.2017 को डीएसटी, नई दिल्ली में **"सिक्स्थ प्लेनेरी मीटिंग आफ द रीजनल कमेटी आफ यूनाइटेड नेशन ग्लोबल जियोस्पेशियल इन्फारमेशन मेनेजमेंट फार एशिया एंड द पेसिफिक (यूएन–जीजीआईएम–पी)"** पर विचार विमर्श किया।

(vii) लेफ्टिनेंट कर्नल अरिन्दम गुप्ता, डी0एस0एस0 ने जेनरेशन ऑफ लार्ज स्केल मेसो लेवल 1:10,000 पैमाना यूजर फ्रैंडली ए0एच0जेड0 मानचित्रों और लैंडस्लाइड इन्वेंटरी फॉर ऋषिकेश–रुद्रप्रयाग रुट कॉरिडोर (उत्तराखण्ड) और मानचित्रण और अन्य भू–तकनीकी अन्वेषण में मानवरहित हवाई वाहन (यू0ए0वी0) के प्रयोग के संबंध में पायलट परियोजना पर विचार विमर्श के लिए बैठक में भाग लिया।

(viii) **37वीं इंका इंटरनेशनल कांग्रेस (इंका)** दिनांक 01.11.2017 से 03.11.2017 तक नेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑफिस, देहरादून में इंडियन नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन द्वारा **"जियो–इन्फारमेटिक्स फार कार्टो–डाइवर्सिटी एंड इट्स मैनेजमेंट"** विषय पर आयोजित की गई। मेजर जनरल गिरीश कुमार, भारत के महासर्वेक्षक ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सम्मेलन/सेमिनार में भाग लिया। सम्मेलन के दौरान इस स्थान पर जियोस्पेशियल (उत्पाद), मानचित्र, चार्ट, ग्लोब, मॉडल आदि की प्रदर्शनी लगाई गई।

मेजर जनरल गिरीश कुमार, वी0एस0एम0, भारत के महासर्वेक्षक इंका इटरनेशनल कांग्रेस, देहरादून में।

(ix) मेजर जनरल गिरीश कुमार, भारत के महासर्वेक्षक ने दिनांक 10.12.2018 को चण्डीगढ में सचिव, यू0एल0बी0, हरियाणा सरकार के साथ बैठक में भाग लिया।

(x) सर्वे एण्ड मैपिंग एसोसिएशन (एसएएमए) से संबद्ध वू–मैन जियोस्पेशीयल कोटरी (डब्ल्यू जी सी) द्वारा दिनांक 20.12.2017 से 21.12.2017 तक हॉलिडे इन, नई दिल्ली में सर्वेक्षण और मानचित्रण पर चतुर्थ इन्टरनेशनल कॉफ्रेंस "सर्वे इंडिया 2017" प्रदर्शनी आयोजित की गई। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने सम्मेलन में भाग लिया और इसके उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित किए।

भारत के महासर्वेक्षक सर्वे ऑफ इंडिया 2017 सम्मेलन में सहभागियों को सम्बोधित करते हुए।

(xi) द एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) द्वारा "जियोस्पेशीयल टेक्नोलॉजीज इन इंडिया" विषय पर दिनांक 20.12.2017 को नई दिल्ली में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। मेजर जनरल गिरीश कुमार, भारत के महासर्वेक्षक ने सम्मेलन के शुभारम्भ सत्र को सम्बोधित किया।

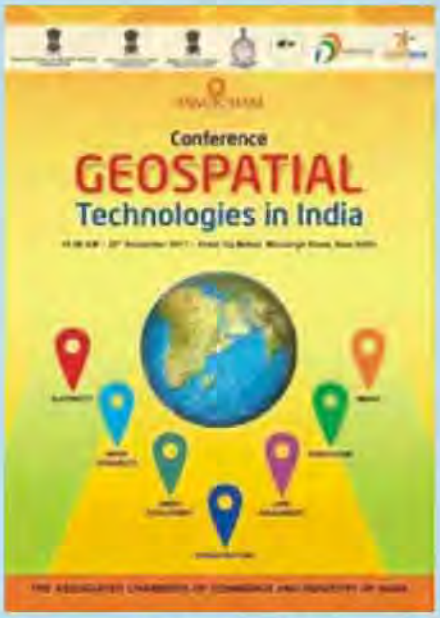

मेजर जनरल गिरीश कुमार, भारत के महासर्वेक्षक "जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजीज इन इंडिया" पर सम्मेलन में ।

(xii) मेजर जनरल गिरीश कुमार, भारत के महासर्वेक्षक ने दिनांक 07.01.2018 को हैदराबाद में सीमा विवाद बंदोबस्त के संबंध में कर्नाटक और आंध्र प्रदेश सरकार के प्रतिनिधियों के साथ विचार विमर्श किया।

(xiii) भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा जियोस्पेशियल मीडिया और कम्युनिकेशन के साथ जियोस्पेशियल वर्ल्ड फोरम (जी0डब्ल्यू0एफ0), ग्लोबल जियोस्पेशियल के नेतृत्व में सह–मेजवानी करते हुए दिनांक 17.01.2018 से 19.01.2018 तक इन्टरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर, हैदराबाद में आयोजित किया गया। फोरम की मुख्य विशेषताएं संधारणीय डवलपमेंट गोल्स (एसडीजीएस) के लिए जियोस्पेशियल पर वर्ल्ड फोरम के तत्वावधान में दो दिवसीय सम्मेलन किया गया। मेजर जनरल गिरीश कुमार, भारत के महासर्वेक्षक ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सम्मेलन में भाग लिया।

मेजर जनरल गिरीश कुमार, भारत के महासर्वेक्षक सभी प्रतिष्ठित व्यक्तियों का स्वागत करते हुए।

(xiv) मेजर जनरल गिरीश कुमार, भारत के महासर्वेक्षक ने दिनांक 08.02.2018 को चण्डीगढ में फाइनेंशियल कमीशनर रिवेन्यू एंड प्रिंसिपल सेक्रेटरी अरबन लोकल बॉडीज, हरियाणा सरकार के साथ बैठक में भाग लिया।

(xv) एसोसिएशन आफ कन्सलटिंग सिविल इंजीनियर्स (इंडिया) सिविल इंजीनियर्स के परामर्शी समूह ने दिनांक 09.02.2018 से 10.02.2018 तक नागपुर में **"कम्पास–2018"** सर्वेक्षण और मानचित्रण सम्मेलन आयोजित किया। श्री एन0आर0 बिस्वाल, निदेशक, महाराष्ट्र और गोवा भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने सम्मेलन में भारतीय सर्वेक्षण विभाग के प्रतिनिधि–मंडल का नेतृत्व किया। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने भी प्रदर्शनी स्टॉल में उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित किए।

नागपुर में कम्पास 2018 सम्मेलन

(xvi) **ग्लोबल जियोस्पेशियल इंफारमेशन मैनेजमेंट (यूएन–जीजीआईएम)** पर यूएन कमेटी आन एक्सपर्ट से संबंधित क्रियाकलापों पर एक अर्न्तलिपिकीय बैठक का आयोजन दिनांक 19.02.2018 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, टेक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली में किया गया। मेजर जनरल गिरीश कुमार, भारत के महासर्वेक्षक ने उच्च स्तर की बैठक में विभाग के संबंध में अपने विचारों की प्रस्तुति दी।

(xvii) कॉनफडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआइआइ) उत्तराखण्ड स्टेट काउन्सिल ने "रिटेनिंग एक्जिसटिंग इंडस्ट्री, डवलपिंग हिल इकोनॉमी" विषयवस्तु पर दिनांक 28.02.2018 को देहरादून में उत्तराखण्ड के लिए ग्रोथ एजेंडा पर वार्षिक दिवस एवं सम्मेलन आयोजित किया। माननीय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र रावत ने सत्र का उद्घाटन किया। श्री नवीन तोमर, अपर महासर्वेक्षक और लेफ्टिनेंट कर्नल सुमन कुमार सरकार, उप महासर्वेक्षक ने सम्मेलन में भारतीय सर्वेक्षण विभाग को प्रस्तुत किया।

(xviii) श्री एस0 के0 सिन्हा, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय सीमा निदेशालय ने दिनांक 16.03.2018 को बेंगलुरु में नेशनल डाटा रजिस्ट्री (एनडीआर) की सेटिंग करने के लिए एनएसडीआई टेक्नीकल कमेटी की बैठक में भाग लिया।

11. तकनीकी लेख :

–शून्य–

12. विदेश भ्रमण/अध्ययन दौरे/ प्रतिनियुक्ति :

(i) डॉ0 स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक ने दिनांक 03.04.2017 से 06.04.2017 तक **"रीजनल कमेटी आफ यूनाइटेड नेशन्स ग्लोबल जियोस्पेशियल इन्फार्मेशन मैनेजमेंट फार एशिया एण्ड द पेसिफिक** (यूएन–जीजीआइएम–एपी) एक्जीक्यूटिव बोर्ड मीटिंग और **10वीं इंटरनेशनल सिम्पोजियम फार डिजिटल अर्थ एंड लोकेट 17"** में भाग लेने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के टीम नेता के रुप में सिडनी, आस्ट्रेलिया का दौरा किया।

(ii) श्री राजीव कुमार श्रीवास्तव, उप निदेशक, जी0 एंड आर0 बी0 ने 20.04.2017 से 24.04.2017 तक खोलोंगचि जल विद्युत परियोजना के कार्य की प्रगति का निरीक्षण करने के लिए भूटान का दौरा किया।

(iii) श्री नितिन जोशी, निदेशक, जी0 एंड आर0 बी0 ने 12.06.2017 से 23.06.2017 तक **केपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग अंडर नेशनल हाइड्रोलॉजी प्रोजेक्ट (एनएचपी)** जिओड मॉडलिंग में भाग लेने के लिए डेनमार्क टेक्नीकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) लिंगलि (डेनमार्क) का दौरा किया।

(iv) भारतीय सर्वेक्षण विभाग के दो दलों श्री संदीप श्रीवास्तव, निदेशक, असम एवं नागालैंड जी0डी0सी0 और श्री वरुण कुमार निदेशक, मध्य प्रदेश जी0डी0सी0 ने दिनांक 05.06.2017 से 16.07.2017 तक **केपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग अंडर नेशनल हाइड्रोलॉजी प्रोजेक्ट (एनएचपी)** – लेजर स्केनिंग में भाग लेने के लिए अम्सटरडैम, नीदरलैंड यूनिवर्सिटी आफ ट्वेंटे (आईटीसी) का दौरा किया।

(v) मेजर जनरल वी0पी0 श्रीवास्तव, भारत के महासर्वेक्षक ने दिनांक 31.07.2017 से 04.08.2017 तक न्यूयॉर्क, यू0एस0ए0 में **"7वीं सेशन आफ द यूनाइटेड नेशन्स कमेटी आफ एक्सपर्ट ऑन ग्लोबल जियोस्पेशियल इन्फारमेशन मैनेजमेंट (यूएनजीजीआईएम)"** में भाग लिया।

(vi) मेजर जनरल गिरीश कुमार, अपर महासर्वेक्षक और श्री पंकज मिश्रा, उप निदेशक, म0स0का0 ने दिनांक 07.08.2017 से 18.08.2017 तक न्यूयॉर्क, यू0एस0ए0 में **'11वीं यूनाइटेड नेशन्स कॉफ्रेंस आन द स्टैंडर्डाइजेशन आफ जियोग्राफिकल नेम्स (यूएनसीएसजीएन) और 30वें सेशन आफ द यू एन ग्रुप आफ एक्सपर्ट्स आन जियोग्राफिकल नेम्स (यूएनजीईजीएन)'** में भाग लिया।

(vii) **रीजनल कमेटी आफ यूनाइटेड नेशनल ग्लोबल जियोस्पेशियल इन्फॉरमेशन मैनेजमेंट फार एशिया एंड द पेसिफिक** (यूएनजीजीआइएम–एपी) की 6वीं प्लैनरी मीटिंग दिनांक 16.10.2017 से 20.10.2017 तक कुमामोटो (जापान) में आयोजित की गई । श्री एस0के0 सिंह, निदेशक, जी0 एंड आर0 बी0 ने बैठक में भाग लिया और भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रुप में बैठक को सम्बोधित भी किया।

(viii) श्री नितिन जोशी, उप महासर्वेक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय ने दिनांक 11.12.2017 से 12.12.2017 तक "इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन मेजरमेंट आफ हाइट ऑफ माउन्ट एवरेस्ट एंड जीएनएस एप्लीकेशन्स" में भाग लेने के लिए काठमाण्डु (नेपाल) का दौरा किया ।

13. भारतीय सर्वेक्षण विभाग के कार्यालयों में दौरा/भ्रमण

(ए) भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान :

(i) एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद से 8 अधिकारियों ने भ्रमण किया।

(ii) सर्वे एंड लैंड रिकार्ड, केरल सरकार से 3 अधिकारियों ने भ्रमण किया।

(iii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी, गोवा से 2 अधिकारियों ने भ्रमण किया।

(iv) एनआईटी, मैंगलोर, कर्नाटक के 37 माइनिंग इंजीनियरिंग विद्यार्थियों और 1 प्रोफेसर ने भ्रमण किया।

(v) मध्य प्रदेश कॉउन्सिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के 125 विद्यार्थियों और 15 शिक्षकों ने भ्रमण किया।

(vi) अलीगढ विश्वविद्यालय के 45 विद्यार्थियों और 5 संकाय सदस्यों ने भ्रमण किया।

(vii) सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे के 30 विद्यार्थियों और 4 स्टाफ सदस्यों ने भ्रमण किया।

महामहिम राज्यपाल उत्तराखंड ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग का भ्रमण किया

(बी) राष्ट्रीय सर्वेक्षण संग्रहालय (ज्योडीय एवं अनुसधान शाखा) :

(i) बी० बरुआ कॉलेज, गुवाहाटी, असम के डॉ० जुगेश पेगु ने 12 छात्रों के साथ भ्रमण किया।

(ii) एडवांस स्टडीज, प्राकृतिक संसाधन विभाग, टेरी स्कूल नई दिल्ली की सुश्री नंदिता सिंह ने 9 छात्रों के साथ भ्रमण किया।

(iii) डब्ल्यू एल्हम गर्ल्स स्कूल, देहरादून के 5 शिक्षकों और 79 छात्रों ने भ्रमण किया।

(iv) श्री एस चकालिरगाम, आईएएस, सेटलमेंट कमिश्नर, पुणे ने भ्रमण किया।

(v) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो० जी.पी. सिंह और 43 छात्रों भ्रमण किया।

(vi) काकद्वीप दक्षिण 24 परगना, सुंदरबन महाविद्यालय के श्री महुआ दत्ता (विभागाध्यक्ष) के साथ 35 छात्रों ने भ्रमण किया।

(vii) डॉ० के.के. पॉल, महामहीम राज्यपाल उत्तराखंड ने भ्रमण किया।

(viii) श्रीप्रिया रंगनाथन, संयुक्त सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली ने भ्रमण किया।

(ix) श्री विक्रम मिसरी, म्यांमार में भारत के राजदूत ने भ्रमण किया।

(x) नेपाल के सर्वेक्षण विभाग के श्री श्रेष्ठ सुरेश मैन ने भ्रमण किया।

(xi) आर ए पोदार कॉलेज ऑफ कॉमर्स और सांख्यांककी मुंबई की सुश्री श्रीया लालवानी के साथ 100 छात्रों ने भ्रमण किया।

(xii) ग्रेट ब्रिटेन की मिस्टर जॉन वेस्ले मैरियट, श्रीमती कांता कौर मैरिपट, मिस्टर कबीर और करिश्मा कौर मैरिट ने भ्रमण किया।

(xiii) इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिवेंद्रम, केरल के सुमिता एस के साथ 11 छात्रों ने भ्रमण किया।

(xiv) मिस्टर मारिया सकारियास, नीदरलैंड के साथ मिस्टर टीजस एवर्ट होलस्टीन ने भ्रमण किया।

(xv) जॉन ओ हारा, आयरलैंड के नागरिक ने भ्रमण किया।

मुबई इंजीनियर ग्रुप खुपुणे द्वारा महाराष्ट्र एवं गोवा भू-स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने भ्रमण किया ।

14. सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियाँ:

(ए) भारतीय सर्वेक्षण विभाग के 250 वर्ष :

सर्वे ऑफ इंडिया ने इस वर्ष अपनी 250वीं वर्षगांठ मनाई। भारतीय सर्वेक्षण विभाग की राष्ट्र निर्माण के लिए प्रदान की जाने वाली सेवाओं को याद रखने और भू-स्थानिक विकास के एक नए युग की प्रतीक्षा करने के लिए घटनाओं के एक वर्ष की लंबी श्रृंखला बद्ध आयोजन किया, जो भारत को आर्थिकी में मील के पत्थर और सतत विकास एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा।

इन कार्यक्रमों की निरंतरता में, प्रेस सूचना ब्यूरो सभागार, नई दिल्ली में 22 जून 2017 को एक समारोह में विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान के माननीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन द्वारा "भारतीय सर्वेक्षण विभाग" पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया गया जिसे डाक विभाग के सहयोग से भारत के महासर्वेक्षक डॉ० स्वर्ण सुब्बा राव द्वारा होस्ट किया गया।

(बी)राष्ट्रीय सर्वेक्षण दिवस :

फिक्की, नई दिल्ली के सहयोग से 10 अप्रैल 2017 को राष्ट्रीय सर्वेक्षण दिवस मनाया गया। माननीय मंत्री डॉ० हर्षवर्धन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, भारत सरकार के द्वारा एक नया वेब पोर्टल "नक्षे" लॉन्च किया गया, जो सार्वजनिक उपयोग के लिए ओपन सीरीज मैप्स (ओ.एस.एम.) के पी०डी०एफ० फार्म में निशुल्क डाउनलोड के लिए एक वेब अनुप्रयोग है। यह वेब एप्लिकेशन में सुझाए गए विचारों के आधार पर विकसित किया गया है। भारत सर्वेक्षण विभाग ने एन.आई.सी. उत्तराखंड राज्य इकाई के सहयोग से भारत के नागरिकों तक पहुंचने के लिए आधार सक्षम उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण के साथ विकसित किया गया है।

फिक्की नई दिल्ली में नक्शे पोर्टल का प्रमोचन।

(सी)अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस :

3 जून, 2017 को योगा अभ्यास/प्रदर्शन का आयोजन करके भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा तीसरा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

अन्तराष्ट्रीय योग दिवस पर योग अभ्यास करते हुए भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अधिकारी

(डी)स्वतंत्रता दिवस :

भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सभी कार्यालयों में 69वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। राष्ट्रीयता की भावना के लिए कार्यालयों को तिरंगे झंडों और गुब्बारों से सजाया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा बच्चों और स्टाफ द्वारा देश भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए।

श्री के0 के0 मीना, उप महासर्वेक्षक दर्शकों को संबोधित करते हुए ।

(ई) हिन्दी पखवाड़ा : भारतीय सर्वेक्षण विभाग के विभिन्न शहरों में स्थित कार्यालयों में 14.09.2017 से 01.10.2017 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस अवधि के दौरान **"राजभाषा हिंदी"** में काम करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए हिंदी निबंध लेखन, नोटिंग ड्राफ्टिंग और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

भारत के महासर्वेक्षक कार्यालय में राजभाषा हिंदी समारोह

(एफ)स्वछता अभियान :

स्वच्छता के मिशन में स्वछता अभियान के एक भाग के रूप में भारतीय सर्वेक्षण विभाग के कर्मचारियों ने स्ववछता मिशन में भाग लिया और अपने आसपास के कचरे का निपटान किया, अपने डेस्क, कंप्यूटर, रैक, फाइलें आदि को साफ किया। स्वच्छ भारत पखवाड़ा 15.09.2017 से 02.10.2017 तक भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सभी कार्यालयों में मनाया गया।

(जी)गणतंत्र दिवस :

भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सभी कार्यालयों में 69वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। भारतीय सर्वेक्षण विभाग के परिसर में भारत के महासर्वेक्षक ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उपस्थित कर्मचारियों और स्कूल के बच्चों द्वारा राष्ट्रगान, देशभक्ति गीत और कविता पाठ किया गया।

भारत के महासर्वेक्षक गणतन्त्र दिवस के अवसर पर स्कूल के बच्चों को संबोधित करते हुए।

(एच)विश्व पर्यावरण दिवस :

विश्व पर्यावरण दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है, जिसे 5 जून, 2017 को मनाया जाता है। यह आयोजन इसलिए मनाया जाता है ताकि लोग अपने पर्यावरण के प्रति जागरूक हों और हमारे आसपास के पर्यावरण को हरा–भरा रखें और ऐसे पेड़ लगाएं जिनसे प्रदूषण कम हो। यह दिन सकारात्मक पर्यावरणीय कार्रवाई करने और प्रकृति और पृथ्वी ग्रह की रक्षा के लिए वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

भारत के महासर्वेक्षक जी.पी.ओ. परिसर में वृक्षारोपण करते हुए।

(आई)राष्ट्रीय विज्ञान दिवस :

देश के विभिन्न स्थानों पर स्थित भारतीय सर्वेक्षण विभाग के विभिन्न कार्यालयों में 28 फरवरी, 2018 को "सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी" विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2018 के देशव्यापी उत्सव के एक भाग के रूप में मनाया गया। सर्वेक्षण और मानचित्रण पर छात्रों और टेक्नोक्रेट ने विभिन्न आधुनिक उपकरणों के प्रदर्शन करने के लिए एक खुले दिन का आयोजन किया गया ।

15. सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग :

राजभाषा नियम, 1976 के अनुसार भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मुख्यालय सहित 15 भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र/निदेशालय/मुद्रण वर्ग 'क' क्षेत्र में, 06 भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र 'ख' क्षेत्र में तथा 20 भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र /प्रशिक्षण संस्थान/निदेशालय/मुद्रण वर्ग 'ग' में स्थित हैं। वर्ष 2017–2018 में विभाग में हिंदी के प्रयोग की स्थिति निम्नवत् रही :

पत्राचार :

वर्ष 2017–2018 के दौरान संघ का राजकीय कार्य हिंदी में करने के लिए विभाग के विभिन्ने कार्यालयों में सघन उपाय किए गए। राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत 3,648 कागजात द्विभाषी जारी किए गए। हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया गया । हिंदी पत्राचार की क्षेत्रवार स्थिति निम्नमवत् रही :–

क्रम सं0	'क', 'ख' और 'ग' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों द्वारा हिंदी में किया गया पत्राचार ।	% में
1.	'क' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों द्वारा हिंदी में किया गया पत्राचार	
1.1	'क' तथा 'ख' क्षेत्रों के साथ	81.9
1.2	'ग' क्षेत्र के साथ	60.2
2.	'ख' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों द्वारा हिंदी में किया गया पत्राचार	
2.1	'क' तथा 'ख' क्षेत्रों के साथ	93.7
2.2	'ग' क्षेत्र के साथ	62.3
3	'ग' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों द्वारा हिंदी में किया गया पत्राचार	
3.1	'क', 'ख' और 'ग' क्षेत्रों के साथ	49.8

प्रशिक्षण :

रिपोर्टाधीन अवधि में हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत विभाग के 08 अधिकारियों/कर्मचारियों ने हिंदी प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ की परीक्षा तथा 10 अवर श्रेणी लिपिकों ने हिंदी टाइपिंग की परीक्षा उत्तीर्ण की।

हिंदी कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलन :

राजभाषा संबंधी आदेशों/नियमों तथा वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की जानकारी देने के लिए महासर्वेक्षक का कार्यालय, देहरादून, उत्तराखण्ड एवं पश्चिमी उत्तेर प्रदेश भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, देहरादून, पूर्वी मुद्रण वर्ग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल और सिक्किम भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्रं, कोलकाता में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में 70 अधिकारियों/कर्मचारियों ने प्रशिक्षण लिया।

महासर्वेक्षक कार्यालय के श्री धूम सिंह, सहायक निदेशक (रा०भा०) ने दिनांक 18.08.2017 को तकनीकी संगोष्ठी, जोधपुर में तथा दिनांक 09.02.2018 को क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार सम्मेंलन, वाराणसी में भाग लिया।

प्रोत्साहन योजना :

वर्ष 2017–2018 के दौरान सरकारी कामकाज मूलरूप से हिंदी में करने के लिए टिप्पण और आलेखन, हिंदी टाइपिंग और हिंदी आशुलिपि की प्रोत्साहन योजनाएं लागू रहीं।

निरीक्षण :

वर्ष के दौरान दिनांक 16.03.2018 से 21.03.2018 तक 'ग' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों यथा दक्षिणी क्षेत्र, बेंगलुरू, कर्नाटक भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, बेंगलुरू दक्षिणी मुद्रण वर्ग, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, हैदराबाद, भौगोलिक सूचना पद्धति और सुदूर संवेदन निदेशालय, हैदराबाद, महाराष्ट्र एवं गोवा भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, पुणे का महासर्वेक्षक कार्यालय के श्री धूम सिंह, सहायक निदेशक (रा०भा०) द्वारा हिंदी के प्रयोग संबंधी निरीक्षण किया गया।

हिंदी दिवस/पखवाड़ा/समारोह का आयोजन :

वर्ष के दौरान विभाग के विभिन्नन कार्यालयों में सितम्बर माह में हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा/हिंदी समारोह मनाया गया। हिंदी

के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए इस अवसर पर हिंदी विषयक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

भारत के महासर्वेक्षक कार्यालय, देहरादून में हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने के लिए स्थारपना–1 अनुभाग को चल वैजयंती प्रदान की गई। पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर हिंदी में कवितापाठ के अलावा हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

हिंदी में गृह–पत्रिका का प्रकाशन :

रिपोर्टाधीन अवधि में निम्नालिखित कार्यालयों द्वारा हिंदी में गृह–पत्रिका प्रकाशित की गई :–

क्रम सं०	भारतीय सर्वेक्षण विभाग के कार्यालयों का नाम	पत्रिका का नाम
1.	महासर्वेक्षक का कार्यालय, देहरादून	सर्वेक्षण दर्पण
2.	नगर राजभाषा कार्यान्वायन समिति (कार्या०1), देहरादून	दूनवाणी
3.	राष्ट्रीय भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, देहरादून	अभिव्यक्ति
4.	ज्योडीय एवं अनुसंधान शाखा, देहरादून	झलक
5.	उत्तरी मुद्रण वर्ग, देहरादून	मुद्रण मंजूषा
6.	राजस्थाान भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, जयपुर	नया प्रयास
7.	केरल एवं लक्षद्वीप भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, तिरूवनन्तपुरम	संप्रेषण
8.	पश्चिम बंगाल और सिक्किम भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, कोलकाता	सर्वेक्षण परिवार
9.	भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थाान, हैदराबाद	प्रतिबिम्ब
10.	भौ०सू०प० और सु०सं०नि०, हैदराबाद	पुष्पांजलि

बैठकें :

वर्ष 2017–2018 के दौरान विभाग के 'क', 'ख' और 'ग' क्षेत्रों में स्थित लगभग सभी भू–स्थानिक आंकड़ा केन्द्रों/निदेशालयों आदि में राजभाषा कार्यान्वायन समिति की तिमाही बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में संघ का राजकीय कार्य हिंदी में करने के लिए सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विचार–विमर्श किया गया।

वर्ष के दौरान भारत के महासर्वेक्षक की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्या०1), देहरादून की छमाही बैठकों का आयोजन किया गया।

16. भारतीय सर्वेक्षण विभाग का संगठन चार्ट :

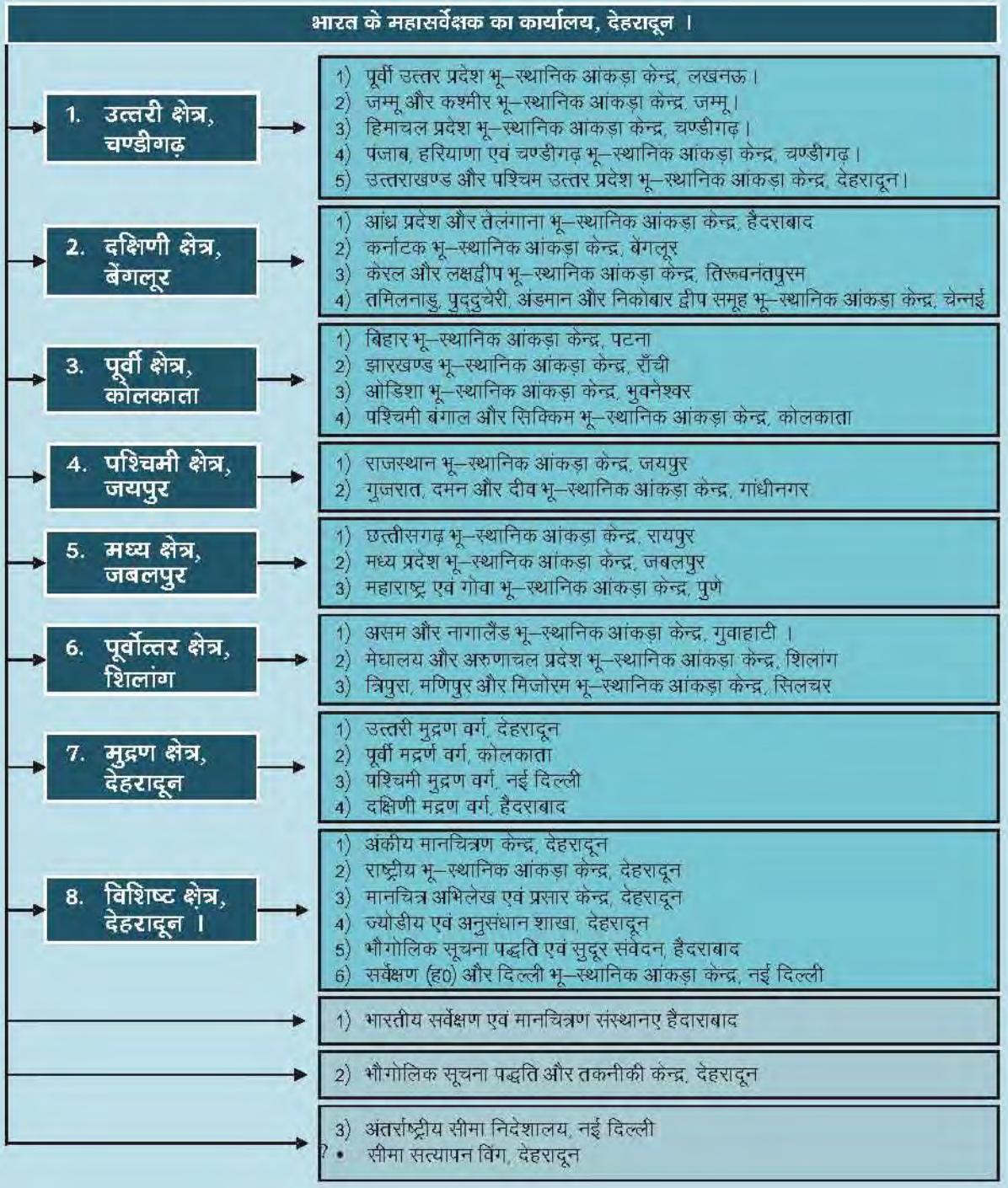

17. अवधि के दौरान किया गया व्यय:

भारतीय सर्वेक्षण विभाग का व्यय

व्यय का प्रकार (करोड़ों में)	वित्त वर्ष 2017–2018	
	योजना	गैर योजना
बजट आंकलन	390.89	95.80
संस्वीकृत अनुदान	393.10	125.80
वास्तविक व्यय	377.10	81.52

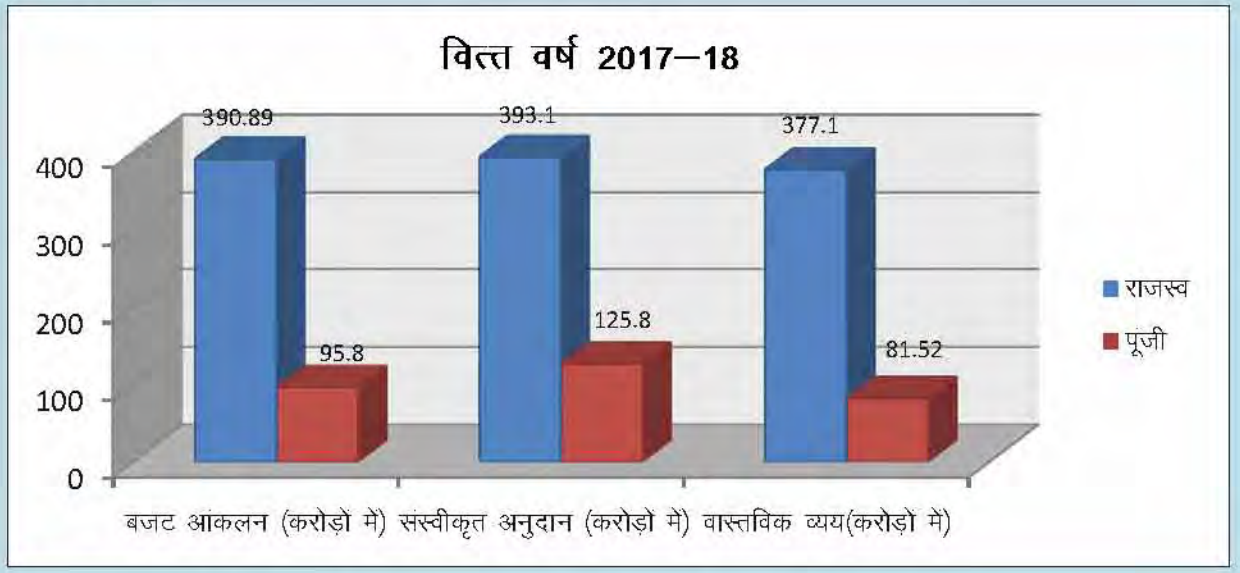

18. मानवशक्ति संसाधन :

31.03.2018 के अनुसार संख्या

सर्विस ग्रुप	स्वीकृत	तैनाती
ग्रुप 'ए'	394	125
ग्रुप 'बी' (राजपत्रित)	611	428
ग्रुप 'बी' (अराजपत्रित)	1897	1505
ग्रुप 'सी'	3834	842
ग्रुप 'सी' (पूर्व में ग्रुप 'डी')	4454	1176
कुल	11190	4076

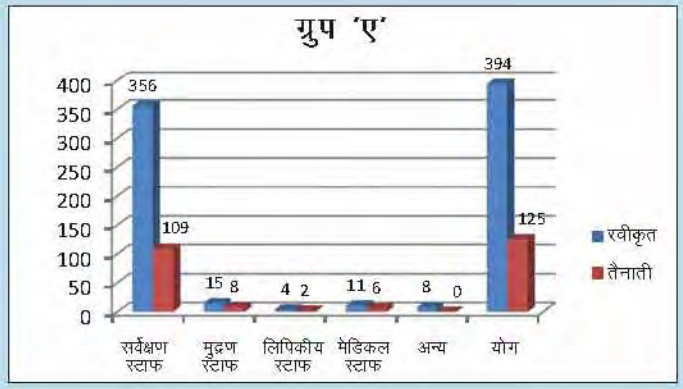

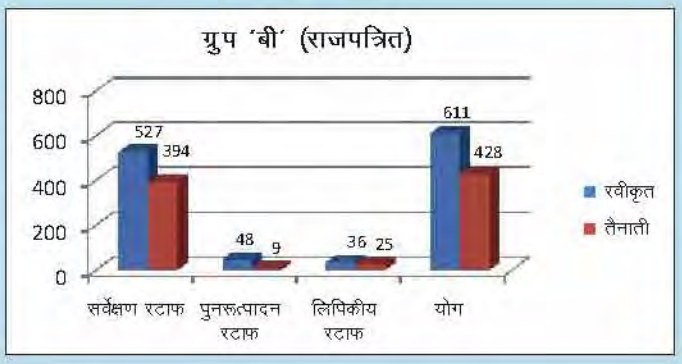

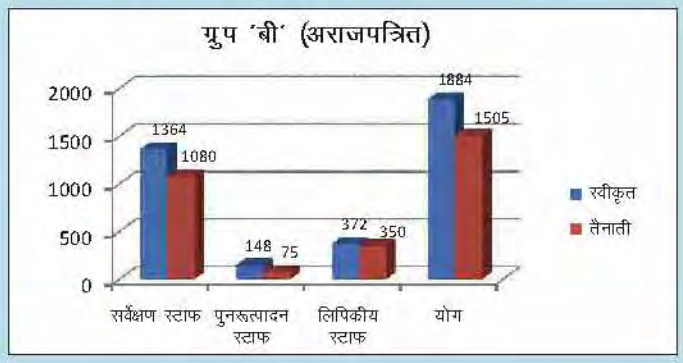

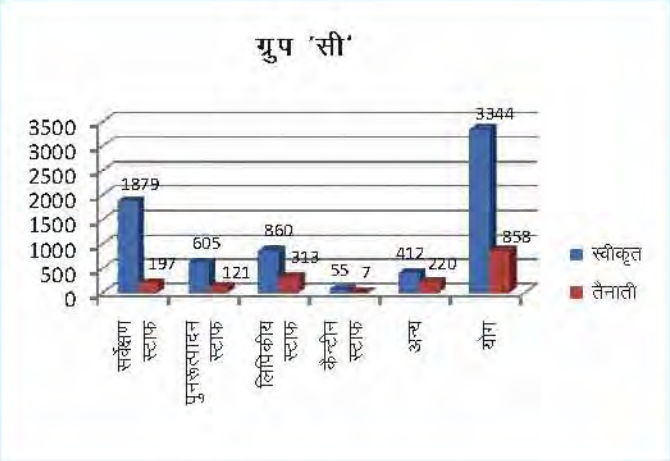

19. शैक्षिक एवं क्षमता निर्माण :

भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान (आई॰आई॰एस॰एम॰), भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों तथा अन्य सरकारी संगठनों, प्राइवेट व्यक्तियों और विभिन्न अफ्रो–एशियन देशों के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान, हैदराबाद, जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जे॰एन॰टी॰यू॰), हैदराबाद के सहयोग से दो वर्षीय अवधि का एम॰टैक (भू–गणितीय) और एम॰एस॰सी॰ (भू–स्थानिक विज्ञान) में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाता हैं।

आई॰आई॰एस॰एम॰ हैदराबाद में प्रशिक्षणार्थी

विभागीय अधिकारियों और अन्य अधिकारियों को विभिन्न स्तर पर दिए गए प्रशिक्षण का विवरण परिशिष्ट 'ए' 'बी' 'सी' में निम्न प्रकार से है।

रिपोर्ट अवधि के वर्ष के दौरान 20 नियमित / निर्धारित पाठ्यक्रमों में परिशिष्ट 'ए' के अनुसार 301 प्रशिक्षणार्थी ने प्रशिक्षण लिया।

परिशिष्ट 'ए'

नियमित / निर्धारित पाठ्यक्रम

क्रम सं.	पाठ्यक्रम की संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विभागीय	विभागातिरिक्त	विदेशी	अन्य	कुल
1	125.05	प्रशासनिक प्रबंधन	09	0	0	0	09
2	150.85	तकनीकीज्ञ सर्वेक्षण	43	0	0	0	43
3	150.86	तकनीकीज्ञ सर्वेक्षण	11	0	0	0	11
4	170.03	बिगनर्स के लिए टोटल स्टेशन और जीपीएस का उपयोग	0	0	2	11	13
5	170.04	बिगनर्स के लिए टोटल स्टेशन और जीपीएस का उपयोग	0	0	0	03	03
6	315.15	भू–सर्वेक्षण और भू–सूचना पद्धति	0	03	0	0	03
7	340.50	मानचित्रकला दस्तावेजों का अंकीयकरण	01	04	0	0	05
8	340.51	मानचित्रकला दस्तावेज का अंकीयकरण	0	02	0	0	02
9	400.94(ए)#	सर्वेक्षण पर्यवेक्षक	102	0	0	0	102
10	400.94(बी)#	सर्वेक्षण पर्यवेक्षक	03	0	0	0	03
11	400.94(सी)#	सर्वेक्षण पर्यवेक्षक	05	0	0	0	05
12	400.95#	सर्वेक्षण पर्यवेक्षक	04	0	0	0	04
13	440.25#	अंकीय मानचित्रकला और जीआईएस अनुप्रयोग	03	0	0	0	03
14	440.26	अंकीय मानचित्रकला और जीआईएस अनुप्रयोग	0	12	0	0	12
15	465.06	जीआईएस अनुप्रयोग	01	03	0	0	04
16	480.45	अंकीय फोटोग्राममिति और सुदूर संवेदन	03	0	0	0	03
17	4858.05	अंकीय फोटोग्राममिति और सुदूर संवेदन	07	05	0	0	12
18	500.75(ए)	सर्वेक्षण इंजीनियर	21	0	0	0	21
19	500.75(बी)	सर्वेक्षण इंजीनियर	06	0	0	0	06
20	500.76	सर्वेक्षण इंजीनियर	01	0	0	0	01
21	500.77	सर्वेक्षण इंजीनियर	04	0	0	0	04
22	690.36	जीपीएस और टोटल स्टेशन द्वारा नियंत्रण और विस्तृत सर्वेक्षण	0	12	0	01	13
23	695.03	जीपीएस और टोटल स्टेशन द्वारा नियंत्रण और विस्तृत सर्वेक्षण	02	0	0	0	02
24	700.25#	उन्नत ज्योडीसी	04	0	0	0	04
25	700.26	उन्नत ज्योडीसी	02	0	0	0	02
26	710.32#	उन्नत फोटोग्राममिति और सुदूर संवेदन	04	0	0	0	04
27	740.40#	अंकीय मानचित्र और जीआईएस के लिए उन्नत पाठ्यक्रम	04	0	0	0	04
28	740.11	अंकीय मानचित्र और जीआईएस के लिए उन्नत पाठ्यक्रम	03	0	0	0	03
		कुल	243	41	02	15	301

पिछले वर्ष से जारी पाठ्यक्रम

रिपोर्ट अवधि के दौरान 10, विशेष पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया। 92 प्रशिक्षार्थियों ने परिशिष्ट 'बी' में दिए गए विवरण के अनुसार पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

परिशिष्ट 'बी'

विशिष्ट प्रयोक्ताओं के लिए विशेष पाठ्यक्रम

क्रम सं.	पाठ्यक्रम की संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विभागीय	विभागेत्तर	विदेशी	अन्य	कुल
1	विशेष	बाप्तला इंजीनियरिंग कॉलेज, आन्ध्र प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए भू–उपयोग योजना के लिए जी0आई0एस0 अनुप्रयोग का प्रशिक्षण।	0	0	0	08	08
2	विशेष	ड्रोन / यू0ए0वी0 द्वारा सर्वेक्षण का विशेष पाठ्यक्रम।	0	06	0	0	06
3	विशेष	टोपो शीटों की उपयोगिता।	0	03	0	0	03
4	विशेष	डेटम और मानचित्र प्रेक्षपण।	0	06	0	0	06
5	विशेष	आई0आई0टी0 हैदराबाद के छात्रों के लिए सर्वेक्षण का प्रशिक्षण।	0	0	0	24	24
6	विशेष	आर्क जी0आई0एस0 और डेटम जनरेशन के बेसिक	03	0	0	0	03
7	विशेष	भारतीय प्रशासनिक अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक दिन का प्रशिक्षण।	0	07	0	0	07
8	विशेष	बेनटले मानचित्र इन्टर प्राइजेज सॉफ्टवेयर के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण।	20	0	0	0	20
9	विशेष	जिला न्यायधीशों के लिए एक दिन का प्रशिक्षण।	0	07	0	0	07
10	विशेष	पांडीचेरी भू–अभिलेख विभाग के कार्मिकों के लिए आधुनिक सर्वेक्षण यंत्र प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण।	0	10	0	0	10
		कुल	23	37	0	32	92

वर्ष के दौरान 13 प्रशिक्षणार्थियों के लिए परिशिष्ट 'सी' के अनुसार 02, विशेष पाठ्यक्रमों का आयोजन

परिशिष्ट 'सी'

लघु अवधि का जागरूकता पाठ्यक्रम

क्रम सं.	पाठ्यक्रम की संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विभागीय	विभागेत्तर	विदेशी	अन्य	कुल
1.	795.09	अंकीय फोटोग्राममिति और सुदूर संवेदन	02	02	0	0	04
2.	800.13	डेटम, निर्देशांक पद्धति और मानचित्रण प्रक्षेपण – एण्डवांसड मानचित्र प्रयोगकर्ता के लिए कॉन्सेप्ट	0	09	0	0	09
		योग –	02	11	0	0	13

20. अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/रिपोर्ट-।

01.01.2018 को अनु. जाति, अनु. जनजाति, और अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व दर्शाने वाला वार्षिक विवरण और पूर्ववर्ती कैलेंडर वर्ष 2017 के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या

मंत्रालय/विभाग/संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयः– **भारतीय सर्वेक्षण विभाग**

संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयः– **भारतीय सर्वेक्षण विभाग**

ग्रुप	अनु. जाति, अनु. जनजाति, और अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व (01.01.2018 की स्थिति)				कैलेंडर वर्ष 2017 के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या										
					सीधी भर्ती द्वारा				पदोन्नति द्वारा			प्रतिनियुक्ति/समावेशन द्वारा			
	कार्मिकों की कुल संख्या	अनु.सूचित जाति	अनु. जन जाति	अन्य पि० वर्ग	कुल	अनु.सूचित जाति	अनु. जन जाति	अन्य पि० वर्ग	कुल	अनु.सूचित जाति	अनु. जन जाति	कुल	अनु.सूचित जाति	अनु. जन जाति	अन्य पि० वर्ग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
ग्रुप ए	128	11	10	10	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
ग्रुप बी	420	62	40	17	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
ग्रुप सी (सफाईवालों के अतिरिक्त	3616	816	276	262	0	0	0	0	659	20	7	632	0	0	0
ग्रुप सी (सफाईवाला)	63	54	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग	4227	943	327	291	0	0	0	0	659	20	7	632	0	0	0

अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग रिपोर्ट-।।

01.01.2018 को विभिन्न ग्रुप 'ए' सेवा में अनु. सूचित जाति, अनु. जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व को दर्शाने वाली वार्षिक विवरणी और पूर्ववर्ती कैलेंडर वर्ष 2017 में विभिन्न ग्रेड में सेवा के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या

मंत्रालय/विभाग/संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयः– **भारतीय सर्वेक्षण विभाग सेवा**

संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयः– **भारतीय सर्वेक्षण विभाग**

पे लेवल मैट्रिक्स में	अनु. जाति, अनु. जनजाति, और अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व (01.01.2018 की स्थिति)				कैलेंडर वर्ष 2017 के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या									
					सीधी भर्ती द्वारा				पदोन्नति द्वारा			अन्य विधि से		
	कार्मिकों की कुल संख्या	अनु.सूचित जाति	अनु. जन जाति	अन्य पि० वर्ग	कुल	अनु.सूचित जाति	अनु. जन जाति	अन्य पि० वर्ग	कुल	अनु.सूचित जाति	अनु. जन जाति	कुल	अनु.सूचित जाति	अनु. जन जाति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
लेवल 10 (56,100.1,77,500)	34	4	3	8	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
लेवल 11 (67,700.2,08,700)	31	3	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
लेवल 12 (78,800.2,09,200)	09	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
लेवल 13 (1,18,500.2,14,100)	44	2	2	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
लेवल 14 (1,44,200.2,18,200)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
लेवल 15 (1,82,200.2,24,100)	10	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**128**	**11**	**10**	**12**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

21. अनु॰ जाति/ अनु॰ जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग एवं विकलांग व्यक्ति

पी डब्ल्यू डी रिपोर्ट-।

सेवारत विकलांग व्यक्तियों के प्रतिनिधित्व को दर्शाता वार्षिक विवरण (01.01.2018 की स्थिति)

मंत्रालय/विभाग:– **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय**

संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालय:– **भारतीय सर्वेक्षण विभाग**

ग्रुप	कार्मिकों की संख्या				
	कुल	चिह्नित पद	वी.एच	एच. एच	ओ. एच.
1	2	3	4	5	6
ग्रुप ए	128	0	0	0	0
ग्रुप बी	420	03	0	0	03
ग्रुप सी/ ग्रुप डी	3616	31	0	0	31
ग्रुप सी (सफाईकर्मचारी)	63	0	0	0	0
कुल	**4227**	**34**	**0**	**0**	**34**

टिप्पणी (i) वी. एच. से अभिप्राय दृष्टि बाधितार्थ (जो व्यक्ति अंधता एवं सुक्ष्मदृष्टि दोश से पीड़ित हो)

(ii) एच. एच. से अभिप्राय श्रवण बाधितार्थ (वह व्यक्ति जिसे सुनाई नहीं देता हो)

(iii) ओ. एच. से अभिप्राय शारीरिक विकलांग (वह व्यक्ति जो शारीरिक और दिमागी रूप से अशक्त हो)

पी डब्ल्यू डी रिपोर्ट-।।

01.01.2018 को सेवारत्त विकलांग व्यक्तियों की संख्या को दर्शाने वाला विवरण

मंत्रालय/विभाग:– **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय**

संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालय:– **भारतीय सर्वेक्षण विभाग**

ग्रुप	वीए/एचएच/ओएच का प्रतिनिधित्व (01.01.2018 की स्थिति)				कैलेंडर वर्ष 2017 के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या											
					सीधी भर्ती द्वारा				पदोन्नति द्वारा				प्रतिनियुक्ति			
	कुल	वीएच	ओएच	एचएच	कुल	वीएच	ओएच	एचएच	कुल	वीएच	एचएच	ओएच	कुल	वीएच	एचएच	ओएच
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
ग्रुप ए	128	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
ग्रुप बी	420	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
ग्रुप सी (सफाईकर्मचारी के अतिरिक्त)	3616	0	31	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
ग्रुप सी (सफाईकर्मचारी)	63	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	4227	0	34	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

भारतीय सर्वेक्षण विभाग के कार्यालयों की अवस्थिति

1:50,000 पैमाने पर ओपन सीरीज मानचित्रों के प्रकाशन की स्थिति
STATUS OF 1:50,000 OPEN SERIES MAPS

प्रक्षेप-यूटीएम, आधार-डब्ल्यूजीएस84
PROJECTION-UTM, DATUM-WGS84

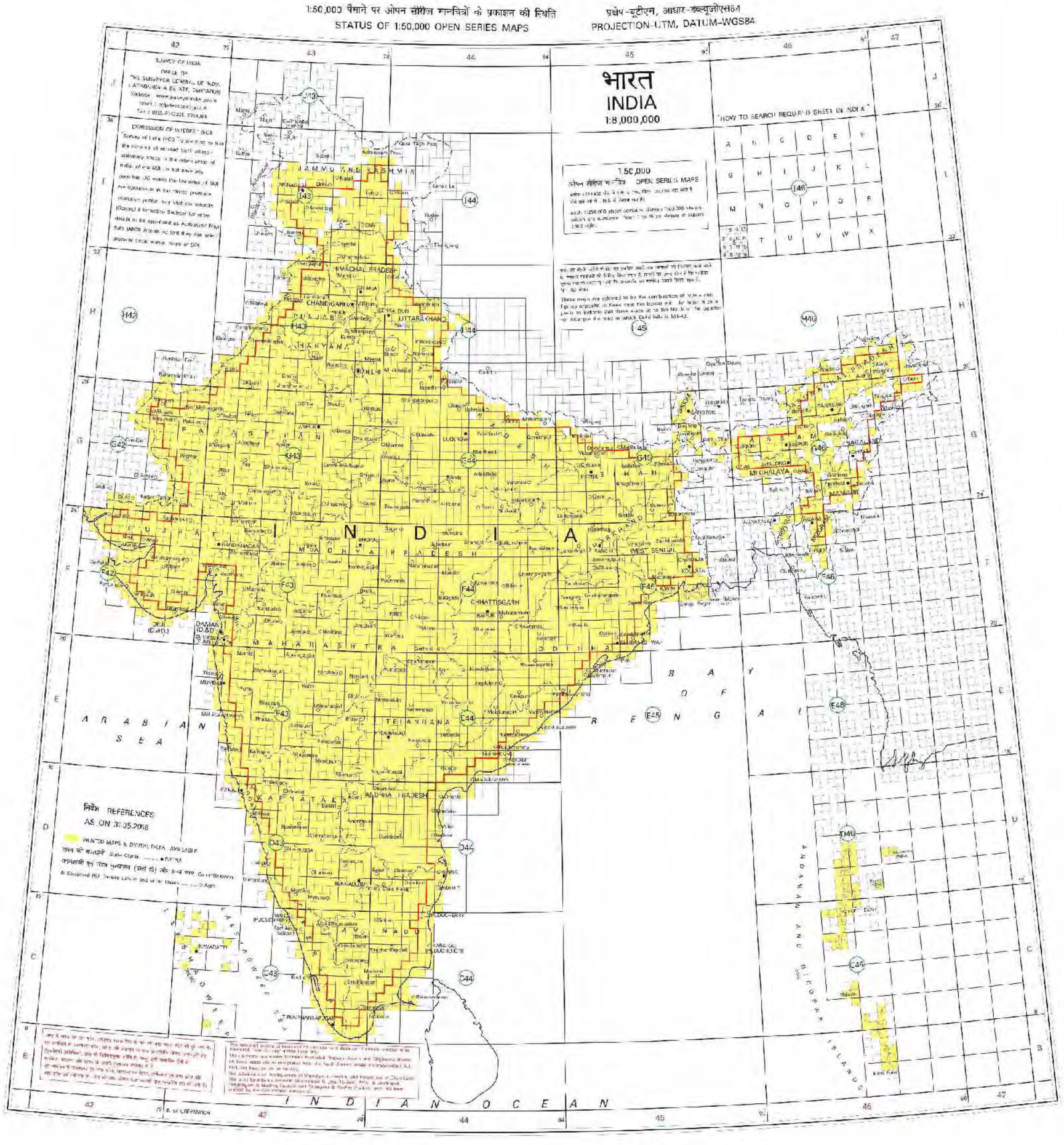

1:25,000, 1:250,000 पैमाने पर स्थलाकृतिक मानचित्रों (प्रक्षेप - पोलिकोनिक, आधार - एवरेस्ट स्फीरायड) और 1:1 मिलियन पैमाने पर विश्व के अन्तर्राष्ट्रीय मानचित्र तथा विश्व वैमानिक चार्ट (अन्तर्राष्ट्रीय सिविल विमानन संगठन) के प्रकाशन की स्थिति

STATUS OF 1:25,000, 1:250,000 TOPO MAPS

(PROJECTION - POLYCONIC, DATUM - EVEREST) AND 1:1 M, IMW & WAC (ICAO) CHARTS

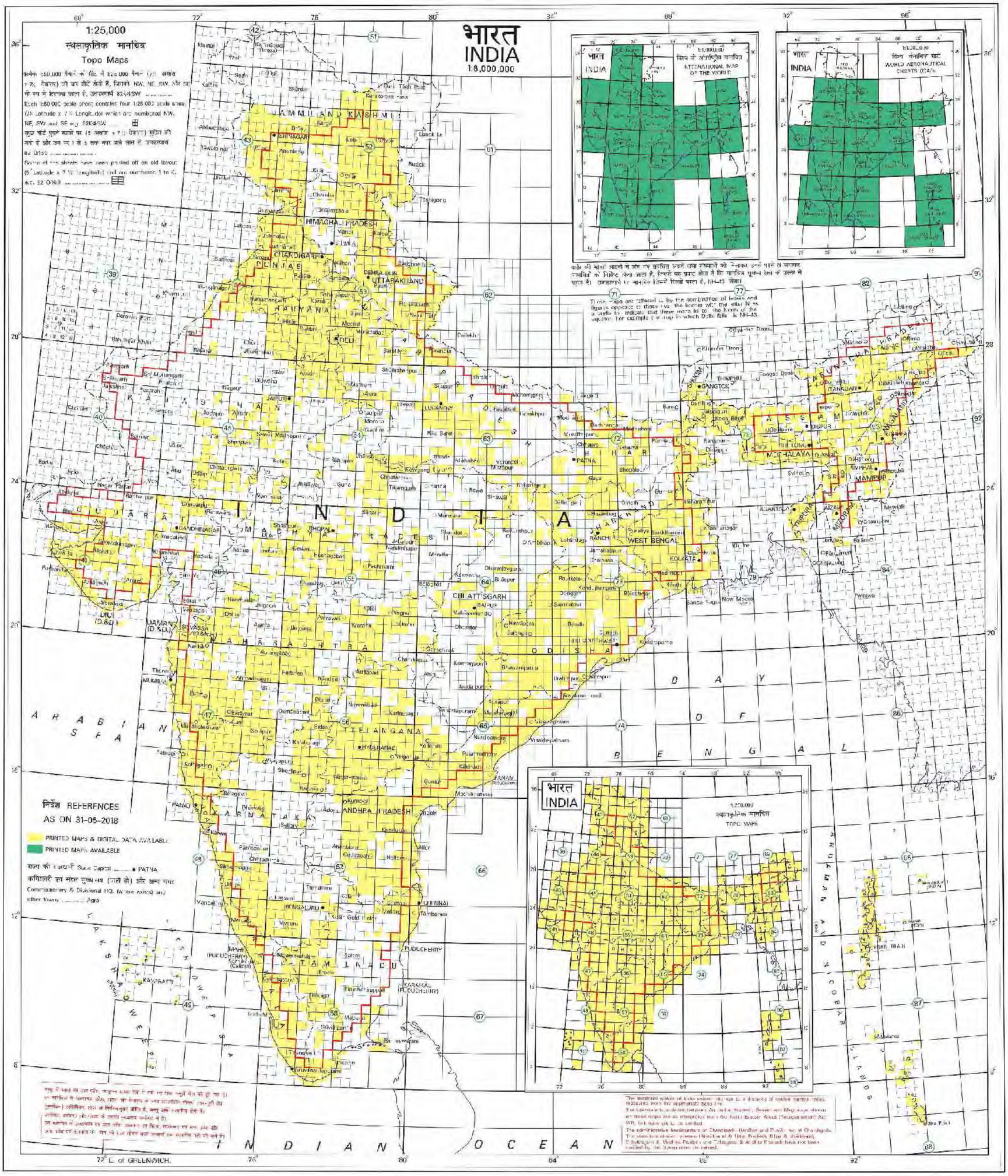

REG. No.- W/PG D16-

PRINTED AT WESTERN PRINTING GROUP OF SURVEY OF INDIA

CONTACT

For Training and Capacity Building

The Additional Surveyor General
Indian Institute of Surveying & Mapping
Uppal, Hyderabad-500039, (Telangana)
(T) +91-27201181, **(F)** +91-40-27200286
Email: iism.soi@gov.in

For Maps and Digital Data

The Director
Map Archive & Dissemination Centre
Post Box No. 28, New Cantt Road, Hathibarkala Estate,
Dehradun-248001, Uttarakhand
(T) +91-135-2747508 **(F)** +91-135-2741250
Email: dmadc.soi@nic.in

For Geodetic Data: Control Points, Bench Mark Heights, Tidal Data etc.

The Director
Geodetic & Research Branch
17, E.C. Road, Dehradun, Pin - 248 001
(T) +91-135-2654528
(F) +91-135 -2656759, **Email:** grb.soi@gov.in

For any other enquiry/assistance feel free to write to us

The Surveyor General of India
Hathibarkala Estate, Dehradun, Pin- 248 001
(T) +91-2744268
(F) +91-135-2744064, 2743331
Email: sgo.soi@gov.in
helpdesk.soi@gov.in
Website: www.surveyofindia.gov.in
Public Geo-Portal: www.indiamaps.gov.in
G2G Geo-Portal: www.g2g.indiamaps.gov.in
Manchitra Portal: www.soinakshe.uk.gov.in

Sahyog

SURVEY OF INDIA
Department of Science & Technology
H.Q.: Surveyor General's Office, Hathibarkala, Dehradun - 248001
Ph.: +91-135-2744268 | **Fax:** +91-135-2743331 | **E-mail:** sgo.soi@gov.in